Punjab Files
ਪੰਜਾਬੀ ਸਨਾਤਨੀ ਦੀ ਆਵਾਜ਼

YEAR 1995

16-1-95 उग्रवादी मारे गए...

(पृष्ठ 3 का शेष)

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पुलिस को मुठभेड़ स्थल से तीन मैगजीनों समेत तीन माउजर्स मिले। अन्य हथियार एक बैग में रखे हुए थे।

एक प्रश्न के उत्तर में श्री खटड़ा ने कहा कि बरामद हथियार या तो जम्मू से लाए जा रहे थे और या बटाला से ले जाए जा रहे थे।

श्री खटड़ा ने बताया कि इस आशय की सूचना के बाद कि पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आई. एस. आई. के निर्देश पर आतंकवादी अपनी गतिविधियां फिर से शुरू कर सकते हैं, सामान्य अलर्ट जारी किया गया था। ऐसी आशंका है कि आतंकवादियों ने हिलजुल और एक स्थान से दूसरे स्थान पर आना-जाना शुरू कर दिया है।

इस क्षेत्र में लगभग पौने दो साल के बाद ऐसी मुठभेड़ हुई है। पिछली बार अप्रैल, 1993 में हुई मुठभेड़ में जमा चाननके मारा गया था।

श्री खटड़ा ने बताया कि जनरल अलर्ट मुख्यमंत्री बेअंत सिंह और पंजाब पुलिस के महानिदेशक के. पी. एस. गिल द्वारा चंडीगढ़ में बुलाई गई बैठक के बाद जारी किया गया था। आई. एस. आई. की नई कोशिशों संबंधी सूचनाएं मिलने के बाद स्थिति की समीक्षा करने के लिए यह बैठक बुलाई गई थी। अलर्ट के बाद जहां वरिष्ठ अधिकारियों को विशेष कार्य सौंपे गए, वहीं सुरक्षा बलों की नई तैनाती, नाकों की पुनर्स्थापना और गश्त बढ़ाने जैसे उपाय किए गए।

'आपरेशन सतर्कता' का विवरण देते हुए श्री खटड़ा ने कहा कि सूर्यास्त के बाद विशेष नाके लगाए जाते हैं और आधी रात से बाद तक नाकों पर जवान तैनात रहते हैं। इसके बाद तड़के अन्य टुकड़ियां अपने थानों या चौकियों से निकल कर अपने थानाध्यक्ष या चौकी इंचार्ज के निर्देशानुसार 'नाके' लगा देती हैं। ये नाके लगवाने के अलावा थानाध्यक्ष और अन्य वरिष्ठ अधिकारी विभिन्न नाकों का दौरा भी करते हैं। इससे नाके पर तैनात जवान भी चुस्त-मुस्तैद रहते हैं और क्षेत्र में गश्त भी होती रहती है।

मार्च अंत तक का अल्टीमेटम : एक सूचना के अनुसार आई. एस. आई. ने पंजाब के आतंकवादियों को पुनः सक्रिय होने के लिए मार्च के अंत तक का समय दिया है और उनसे कहा गया है कि अगर उन्होंने कोई नतीजे न दिखाए तो वह उनके लिए हथियार खरीदने के लिए भारी धन राशि खर्च करना बंद कर देगी।

आप्रेशन सतर्कता' को पहली सफलता : दो आतंकवादी मुठभेड़ में मार गिराए

अमृतसर, 15 जनवरी (वार्ता, प.स.) : मजीठा पुलिस जिला के बाबा बकाला क्षेत्र में आज तड़के सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में दो अज्ञात आतंकवादी मारे गए और बड़ी संख्या में हथियार तथा गोलीबारूद बरामद हुआ।

पंजाब में आतंकवाद का नया दौर शुरू करने का आई. एस. आई. का षड्यंत्र : पाकिस्तान में बैठे उग्रवादियों पर 'कुछ करने' के लिए दबाव : घुसपैठ की सूचनाएं : अलर्ट जारी

इस प्रकार पंजाब में आतंकवादियों को पुनर्गठित होने से रोकने के लिए शुरू किए गए 'आपरेशन सतर्कता' को पहली बड़ी सफलता मिली।

(ऊपर) बाबा बकाला के निकट पुलिस के साथ मुठभेड़ में मारे गए अज्ञात आतंकवादी, (नीचे बाएं) आतंकवादियों द्वारा प्रयुक्त वैन और (नीचे दाएं) उनसे बरामद हथियार व गोली-बारूद। (छाया : फौजी)

मजीठा के जिला पुलिस अधीक्षक आर. एस. खटड़ा ने यहां पत्रकारों को बताया कि मृत आतंकवादियों में से एक कश्मीरी उग्रवादी लगता है जबकि दूसरे की जेब से सुखदेव सिंह के नाम पर होशियारपुर से जारी ड्राइविंग लाइसैंस मिला है। उन्होंने कहा कि यह लाइसैंस झूठा भी हो सकता है।

श्री खटड़ा ने कहा कि दोनों आतंकवादी जिस बिना नम्बर की मारुति कार में सवार थे उसमें से दो ए. के. 47 राइफलें तथा पांच मैगजीन, चार माउजर्स तथा छह मैगजीन, एक रिवाल्वर और बड़ी मात्रा में गोली बारूद और कुछ नकदी भी बरामद हुई।

श्री खटड़ा ने बताया कि एक सब-इंस्पैक्टर के नेतृत्व में पुलिस दल ने सब से पहले बटाला से आ रही मारुति कार को मेहता चौक में रुकने का संकेत दिया लेकिन कार नहीं रुकी और तेजी से निकल गई। इसके बाद दल ने वायरलैस पर ब्यास पुलिस स्टेशन को संदेश भेजा। इस स्टेशन की गश्ती टुकड़ी ने गम्मार भाना और साठियाला के बीच एक नाले के पास नाका लगाया। इस दल ने भी मारुति को रोकने का प्रयास किया लेकिन उग्रवादियों ने नाके पर तैनात सुरक्षा कर्मियों पर गोलियां चलाईं। जिप्सी की आड लेकर बैठे 3 सुरक्षा कर्मियों ने भी गोलियां दागीं। सड़क से फिसल कर पुलिस जिप्सी को टक्कर मारती हुई यह वैन सड़क के किनारे जाकर रुक गई।

तलाशी के दौरान पुलिस को कार से दो शव, हथियार और गोलीबारूद मिले।

(शेष पृष्ठ 14 पर)

हिमाचल के जनजातीय क्षेत्रों में बर्फीला तूफान, कई जगह जल-बिजली आपूर्ति व दूरसंचार सेवाओं में व्यवधान

शिमला, 15 जनवरी (वा., प.स.): हिमाचल प्रदेश के समूचे जनजातीय क्षेत्र में बर्फीला तूफान आने तथा ऊंचे पर्वतीय क्षेत्रों में भारी हिमपात और निचले क्षेत्रों में वर्षा होने से समूचे क्षेत्र में शीत लहर का प्रकोप और बढ़ गया है। प्रदेश के कई भागों में सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है तथा कई स्थानों पर जल एवं बिजली आपूर्ति तथा दूरसंचार सेवाओं में व्यवधान पड़ा।

ढली से आगे भारी हिमपात होने के कारण हिन्दुस्तान-तिब्बत मार्ग पुनः यातायात के लिए बंद हो गया है। शिमला और इसके आसपास के क्षेत्रों में भी हिमपात हुआ। कुफरी, फागू, नालदेहरा और नारकंडा सहित शिमला जिले के ऊपरी क्षेत्रों में भारी हिमपात हुआ। जाखू, कुफरी और फागू में 30 से 50 सैं.मी. तक हिमपात होने की सूचना मिली है। शिमला जिले के आंतरिक क्षेत्रों में हिमपात के कारण सड़कें बंद हो गई हैं। खड़ा-पत्थर, डोडरा-क्वार, सराहन, चौपाल, रोहतांग दर्रे, लाहौल-स्पीति, विशाल धौलाधार शृंखला, चूड़धार, किन्नौर से भारी हिमपात की सूचनाएं मिली हैं तथा लगभग सभी जनजातीय क्षेत्र प्रदेश के शेष भागों से कट गए हैं।

चम्बा से 'रैणा' के अनुसार बनीखेत, तीसा, भरमौर, डल्हौजी तथा पांगी घाटी में भारी हिमपात हुआ। डल्हौजी में हिमपात जारी है तथा चम्बा नगर में भी हिमपात हुआ। हिमपात के कारण जिले के अधिकांश क्षेत्रों का शेष प्रदेश से सम्पर्क कट गया है। धर्मशाला से 'बेद' के अनुसार धर्मशाला से संलग्न ऊंचे क्षेत्रों में हिमपात हुआ। विशाल धौलाधार भारी हिमपात के कारण 'रजत-धवल' नजर आ रही है तथा समूची कांगड़ा घाटी में शीत लहर तेज हो गई है। मनाली, कसौली, बड़ोग और चायल से भी हिमपात की सूचनाएं मिली हैं।

हिमाचल प्रदेश के जनजातीय क्षेत्रों में तापमान -15 डिग्री सै. से -35 डिग्री सै. के बीच बताया जाता है। इन क्षेत्रों में पानी के सभी प्राकृतिक स्रोत जम चुके

(शेष पृष्ठ 14 पर)

Punjabi Sanatani

17-1 **40 से अधिक हत्याओं...** 95
(पृष्ठ 3 का शेष)

आतंकवादियों को आदेश मिला है कि ऐसे क्षेत्रों, जहां आतंकवादी पुलिस ने मार गिराए हैं। उनके परिवारों के साथ मिल-जुल कर पंजाब में आतंकवादी वारदातें पुनः शुरू करें। यह स्वीकारोक्ति पकड़े गए आतंकवादी ने भी पुलिस के समक्ष की है। श्री शर्मा ने आगे बताया कि पकड़े गए आतंकवादी ने पुलिस के समक्ष यह भी स्वीकार किया है कि उन्हें वित्तीय सहायता अंतर्राष्ट्रीय सिख यूथ फैडरेशन के लखमीर सिंह रोडे जो पाकिस्तान के शहर लाहौर में बैठा है, अपनी तमाम गतिविधियों का संचालन कर रहा है, से प्राप्त होती है व बड़े आतंकवादियों पर पाकिस्तान का दबाव पड़ रहा है कि आतंकवादी अभियान पंजाब में पुनः शुरू किया जाए।

श्री शर्मा ने कहा कि आतंकवादियों के पुनः एक बार सिर उठाने पर पुलिस मशीनरी को भी काम पर लगा दिया गया है। पुलिस की तरफ से किए जा रहे आप्रेशन में विशेष तेजी लाई गई है। आतंकवादियों से निपटने के लिए पुलिस मशीनरी को चुस्त व गतिविधियों को सरगर्म कर दिया गया है।

कार्बाइन सहित काबू : जगरांव (भंडारी): आज तड़के सदर थाना पुलिस के एस.एच.ओ. सकत्तर सिंह ने गांव भमीपुरा के निकट नाके के दौरान कुंदन सिंह नामक व्यक्ति को गिरफ्तार करके उससे एक कार्बाइन, 22 कारतूस, एक मैगजीन बरामद की।

भूमिगत हथियार बाहर निकलने लगे : अमृतसर (दीपक शर्मा): पंजाब में आतंकवाद का नया दौर शुरू करने के लिए आतंकवादी भूमिगत किए गए हथियारों को एक जगह से दूसरी जगह ले जाने और कश्मीरी उग्रवादियों के सहयोग से आप्रेशन 'के-टू' (के-दो) को नए ढंग से चलाने की कोशिश में हैं। मजीठा पुलिस जिला के एस.एस.पी. आर.एस. खटड़ा ने बताया कि अन्य जिलों के मुकाबले मजीठा पुलिस जिले में कई मारे गए आतंकवादियों के हथियार अभी तक पुलिस के हाथ नहीं लगे। इनमें जसविंद्र सिंह गडासा, चाचोवालिया, सीतल मत्तेवाल, गुरभेज सिंह गेजा, दलीप सिंह बब्बर शामिल हैं। उन्होंने बताया कि यदि ये भूमिगत किए गए हथियार मिल

Punjabi Sarchive

40 से अधिक हत्याओं के लिए जिम्मेदार कुख्यात आतंकवादी जसपाल सिंह गिरफ्तार

फिरोजपुर, 16 जनवरी (कन्तोड़, बागी) : पंजाब में आतंकवादी ग्रुपों की तरफ से एक बार पुन: अशांति व हिंसा का दौर पैदा करने के प्रयासों के खिलाफ पुलिस द्वारा प्रारम्भ आप्रेशन सतर्कता के अंतर्गत जिला पुलिस को भारी सफलता प्राप्त हुई है। यह जानकारी देते हुए पत्रकार सम्मेलन में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने बताया कि 13 जनवरी की साय 7 बजे थाना धर्मकोट के तहत ढोलेवाला से शेरपुर कच्चा रोड पर शेरपुर तहबां के पास नाकाबंदी के दौरान पुलिस पार्टी ने संदिग्ध परिस्थितियों में एक युवक को आते देखा रोक कर जब उसकी तलाशी ली गई तो उसके कब्जे से एक 25 बोर पिस्तौल व 10 जीवित कारतूस बरामद हुए। पुलिस ने उसकी पहचान जसपाल सिंह वासी नंगली थाना मेहता पुलिस जिला मजीठा के रूप में की है। उसके कब्जे से एक जाली ड्राइविंग लाइसैंस दलबीर सिंह पुत्र सरदूल सिंह के नाम पर, जिस पर पता ए-1470 रायवाला-इदौर (म. प्र.) है, वर्ष 1993 का मिला है।

श्री शर्मा ने आगे बताया कि प्रारम्भिक पूछताछ के दौरान उसकी निशानदेही पर शेरपुर तैबां गांव के घने वृक्षों के पास से भारी मात्रा में हथियार व गोली-सिक्का बरामद हुआ है जिसमें ए. के. 47 (दो), तीन मैगजीनें ए. के.-47 व 138 जीवित कारतूस, एक सैल्फ लोडिंग राइफल, 2 मैगजीन व 114 जीवित कारतूस एस. एल. आर., 70 डैटोनेटर व फ्यूजवायर तथा खालिस्तान कमांडो फोर्स के 35 लैटर पैड मिले हैं।

श्री शर्मा ने बताया कि पूछताछ के दौरान उसने पुलिस के समक्ष स्वीकार किया कि 1987 में वह आतंकवादी लहर में शामिल हुआ था। सब से पहले कारज सिंह थांदे खालिस्तान कमांडो फोर्स (जफरवाल) में शामिल हुआ था, तब उसकी गतिविधियों का क्षेत्र मजीठा व तरनतारन जिले थे। फिर 1988 में अमृतसर में स्वर्ण मंदिर में हुए ब्लैक थंडर आप्रेशन में गिरफ्तार हुआ व 1990 में जमानत पर रिहा होने पर पुन: सक्रिय हो गया। बाद में चंचल सिंह उदोके खालिस्तान आर्म्ड फोर्स में शामिल हो गया। जब इस ग्रुप के सभी साथी एक-एक करके पुलिस के साथ हुए विभिन्न मुकाबलों में मारे गए तो नवम्बर 1992 में वह (जसपाल सिंह) उत्तर प्रदेश व मध्य प्रदेश में छिपने के लिए भाग गया।

श्री शर्मा ने आगे कहा कि उत्तर प्रदेश व मध्य प्रदेश में क्योंकि इसके संबंधी व जानकार बहुत थे, इसलिए इसने अपनी आगे की गतिविधियों का केन्द्र वहीं रखा। पंजाब में कुल 36 हत्याएं करना, जिनमें 6 पुलिसकर्मी भी शामिल हैं, इसने स्वीकार किया है। इसके अतिरिक्त उत्तर प्रदेश व मध्य प्रदेश में पांच पुलिस कर्मियों सहित कुल आठ हत्याएं करना भी इसने स्वीकार किया है। इसके अतिरिक्त उसने मध्य प्रदेश में तीन हाईवे डकैतियां की, जिनमें इसके और भी साथी थे, जो अब मारे जा चुके हैं। साथ में इसने तीन ट्रक छीने व उन ट्रकों के ड्राईवर/क्लीनर मार दिए। इस आतंकवादी के उत्तर प्रदेश व मध्य प्रदेश में पुलिस के साथ चार बार मुकाबले भी हुए जिनमें पांच पुलिस कर्मी व तीन इसके साथी मारे गए।

पूछताछ के दौरान पकड़े गए आतंकवादी ने पुलिस को बताया है कि नामी आतंकवादी यू. पी., गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश के जंगलों में फिरते हैं, जबकि उनसे भी बड़े आतंकवादी पाकिस्तान, हालैंड, जर्मनी आदि में इस समय शरण लिए हुए हैं। पाकिस्तान की खुफिया एजैंसी आई. एस. आई. उन सब को प्रेरित कर रही है कि वे अपने अभियान को पुन: सक्रियता से शुरू करें। श्री शर्मा के अनुसार हाल ही में आतंकवादी धड़ों के किसी सूत्र से

(शेष पृष्ठ 10 पर)

पुलिस थाना धर्मकोट जिला फिरोजपुर में पुलिस पार्टी द्वारा नाकाबंदी के दौरान पकड़े गए खालिस्तान आर्म्ड कमांडो फोर्स के दुर्दांत उग्रवादी जसपाल सिंह से बरामद किए गए शस्त्रों (दाएं) व गोली-सिक्के का एक चित्र। (बाएं) जसपाल सिंह का जाली ड्राइविंग लाइसैंस। (छाया: कन्तोड़)

Punjabi Sanatan

जालंधर पुलिस व बी.एस.एफ. द्वारा भोगपुर के पास हथियारों की बड़ी खेप पकड़ी गई। (1) बी.एस.एफ. के सहायक कमांडेंट अरविन्द्र सिंह ए.के. 94, जो राकेट व ग्रेनेड चलाने में भी इस्तेमाल की जाती है, पत्रकारों को दिखाते हुए। (2) जालंधर के एस.एस.पी. श्री दिनकर गुप्ता पत्रकारों को जानकारी देते हुए। मेज पर पड़ा गोली सिक्का, (3) बब्बर खालसा के महल सिंह द्वारा अपने साथियों को लिखा गया पत्र, (4-5) कार में से बरामद रिवाल्वर, एक ए.के. 47, दो ए.के. 94 व पांच अन्य राइफलें, (6) वह कार, जिसमें से यह सारा असला बरामद हुआ। (छाया: शिव जैमिनी)

मजीठा पुलिस से मुठभेड़ में मरने वाला उग्रवादी बब्बर खालसा का लैफ्टिनैंट जनरल : के. पी. एस. गिल

Punjabi Sanatani

अमृतसर, 18 जनवरी (वार्ता, प.स., दीपक अशोक): पंजाब के पुलिस महानिदेशक श्री के.पी.एस. गिल ने आज कहा कि पाकिस्तान की गुप्तचर संस्था इंटर सर्विसेज इंटैलीजैंस (आई.एस.आई.) के अलावा विदेशों में बसे कुछ खालिस्तान समर्थक तत्व भी राज्य में फिर से सक्रिय होने का प्रयास कर रहे हैं।

उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा कि विदेशों में बसे कुछ लोग तथाकथित खालिस्तानी संघर्ष को फिर से चलाने के लिए समय-समय पर प्रचार करते रहते हैं। उन्होंने इस संदर्भ में अमरीका में बसे गुरमीत सिंह औलख का नाम लिया। उन्होंने कहा कि भारत में औलख और उनके साथियों के हो-हल्ले पर सिख ध्यान नहीं देते लेकिन विदेशों में बसे कुछ सिख इस खालिस्तानी प्रचार पर विश्वास करते हैं।

श्री गिल ने विदेशी हाथ के बारे में कहा कि कुछ सिख संगठन सिखों की धार्मिक भावनाएं उभारने का प्रयास कर रहे हैं और वे सिखों को बांटने के लिए पैसा भी देते हैं, लेकिन उनका प्रभाव विदेशों में बसने वाले सिखों तक ही सीमित है। उन्होंने कहा इन संगठनों के नेताओं ने पिछले कई सालों में काफी पैसा इकट्ठा कर लिया है और अब वे खालिस्तान आंदोलन के लिए इसमें से बहुत कम खर्च कर रहे हैं।

उन्होंने पुलिस के खिलाफ अदालतों में दाखिल मुकद्दमों के बारे में कहा कि उग्रवाद समर्थक कुछ तत्व पुलिस के खिलाफ याचिका दायर कर अदालत का उपयोग करने का प्रयास कर रहे हैं। उनका उद्देश्य सुरक्षा बलों का मनोबल गिराना और उग्रवाद को उकसाना है।

उन्होंने कहा कि उग्रवाद के दौरान पंजाब में मरने वालों के मुकाबले में पुलिस के खिलाफ बहुत कम मामले दर्ज हैं। उन्होंने कहा कि हर अपराध को यहां तक कि उग्रवादियों के अपराध की भी पुलिस से जोड़ने की प्रवृत्ति मौजूद है।

श्री गिल ने यह स्पष्ट किया कि गत 12 वर्षों में जो अज्ञात उग्रवादी मारे गए हैं, उनका अंतिम संस्कार किया जा चुका है। उनके सम्बन्ध में हम न तो कोई सूची प्रदान कर सकते हैं और न ही उनका विवरण पुलिस के पास है। श्री गिल ने स्पष्ट किया कि जो लोग अपने लड़कों के गुम होने का आरोप पुलिस पर लगाते हैं, उनका कुत्सित इरादा केवल उग्रवादियों की नई नीति के लिए स्थान बनाना है। श्री गिल ने उदाहरण के रूप में एक गुम हुए उग्रवादी का विवरण देते हुए बताया कि इस उग्रवादी के परिवार के सदस्य थाने में रिपोर्ट दर्ज करवा चुके हैं कि पुलिस उनके लड़के को उठा कर ले गई है। लेकिन वस्तुस्थिति यह है कि उक्त उग्रवादी पुलिस को वांछित है। गत दिवस वह उग्रवादी अपनी बहन का विवाह करके गया और अपने पिता का अत्याधुनिक अस्पताल में इलाज करवाता रहा। उन्होंने कहा कि ऐसे कई उदाहरण हैं। लोग पुलिस को गुमराह करके उग्रवादियों के आदेशों के अनुसार करते हैं। इसके अतिरिक्त कई ऐसे एजैंट भी हैं, जो गुम हुए लोगों के जाली पासपोर्ट आदि बनवाकर 5 से 7 लाख रुपए प्रति व्यक्ति लेकर उन्हें विदेश में भेज देते हैं और उनके परिजन पुलिस पर झूठे आरोप लगाते रहते हैं। श्री गिल ने बताया कि पुलिस के रिकार्ड में मारे गए कुछ उग्रवादी जीवित सिद्ध हुए हैं, वह पहचान में गलती होने के कारण है।

श्री गिल ने बताया कि नई योजना के अंतर्गत राज्य पुलिस को आदेश दिए गए हैं कि जो मुकद्दमे

(शेष पृष्ठ 12 पर)

खुरलकलां जालंधर में हथियारों से भरी उग्रवादियों की कार काबू

सिंह पुलिस की हिरासत से भाग निकला । मृत मिलिटैंट की शिनाख्त नहीं हो सकी है ।

पूर्व मंत्री के घर पर बम फैंका : फाजिल्का (धर्मलना): पंजाब के पूर्व मंत्री चौधरी राधाकृष्ण के गांव खुईखेड़ा स्थित आवास पर कल रात एक देसी बम फैंके जाने का समाचार मिला है । गांव के सरपंच तथा श्री राधाकृष्ण के भतीजे श्री प्रेम कुमार ने आज यहां उक्त जानकारी देते हुए बताया कि यह बम लगभग एक किलो वजन का था । उन्होंने बताया कि सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात सुरक्षा कर्मी ने जब फायरिंग की तो बम फैंकने आए शरारती तत्व अंधेरे में भाग गए । इस विस्फोट में कोई हताहत नहीं हुआ । अभी तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है ।

मिलिटैंटों की शिनाख्त : फरीदकोट : रानिया गांव के निकट कल हुई मुठभेड़ में मारे गए दो मिलिटैंटों की शिनाख्त मन्दिर सिंह तथा परमजीत सिंह के रूप में हुई है । पुलिस के अनुसार इन दोनों की, हत्याओं व जबरी धन वसूली के अनेक मामलों में तलाश थी ।

गिरफ्तार : जालन्धर : जिला पुलिस ने थाना नूरमहल के तहत गांव संघा खालसा के हरदीप सिंह पुत्र लछमन सिंह को गिरफ्तार करके उसके कब्जे से .315 बोर की एक पिस्तौल तथा 15 कारतूस बरामद किए हैं ।

3 मिलिटैंट गिरफ्तार : बरनाला (सिधवानी): बरनाला के पुलिस अधीक्षक श्री ईश्वर चन्द शर्मा ने बताया कि जिला बरनाला पुलिस ने तीन मिलिटैंटों को गिरफ्तार किया है जिनकी पहचान सर्वजीत सिंह (गांव जलान, थाना जबालपुरा, जिला भटिंडा), राजेन्द्र सिंह उर्फ राज (गांव गिल्ला, थाना खरोड़), जसवन्त सिंह उर्फ राजी (गांव संघा बस्सी, थाना बरनाला) के रूप में हुई है ।

इन मिलिटैंटों के कब्जे से पुलिस ने एक दोनाली 12 बोर की राइफल, 32 बोर का रिवाल्वर तथा 315 बोर की राइफल के अतिरिक्त बड़ी मात्रा में गोली-सिक्का बरामद किया है । श्री शर्मा ने बताया कि यह मिलिटैंट पुलिस को अनेक हत्याओं और लूटपाट के मामलों में वांछित थे ।

2 मिलिटैंट मरे : पूर्व मंत्री के घर बम फैंका गया

चंडीगढ़, 23 फरवरी : पंजाब में पिछले 24 घंटों के दौरान सुरक्षा बलों ने दो मिलिटैंटों को मार गिराया जबकि इसी अवधि में अज्ञात मिलिटैंटों ने जिला फिरोज़पुर के गांव खुईखेड़ा में पंजाब के पूर्व मंत्री चौ. राधा कृष्ण के घर में बम फैंका, लेकिन कोई हताहत नहीं हुआ । सुरक्षा बलों ने विभिन्न स्थानों से 4 मिलिटैंटों को गिरफ्तार भी किया है ।

अज्ञात मिलिटैंट मरा : बटाला (चौधरी): पुलिस थाना रंगड़ नंगल के तहत गांव पंजगराईं के पास गत रात सुरक्षा बलों के साथ भिड़ंत में एक मिलिटैंट मारा गया । उसके दो साथी भाग निकले । मारे गए मिलिटैंट की शिनाख्त नहीं हो सकी है । उसके पास से 303 बोर की एक राइफल तथा 15 कारतूस मिले हैं ।

एक मिलिटैंट मरा, एक को मिलिटैंटों ने छुड़ाया : संगरूर : इस जिले के कमालपुर गांव के पास हथियारों की बरामदगी के लिए एक मिलिटैंट हरदीप सिंह को ले जा रहे पुलिस दल पर गत रात कुछ मिलिटैंटों ने घात लगा कर हमला किया । इस मुठभेड़ में एक मिलिटैंट मारा गया, लेकिन हरदीप

(शेष पृष्ठ 12 पर)

Punjab Sanatani

चंडीगढ़, 31 अगस्त (राकेश संधी): आज यहां पंजाब नागरिक सचिवालय के बाहर हुए जबरदस्त बम विस्फोट में पंजाब के मुख्यमंत्री श्री बेअंत सिंह के अलावा उनके सुरक्षा कर्मियों सहित 15 व्यक्तियों की मृत्यु हो गई। यह बम विस्फोट सायं 5 बज कर 10 मिनट पर हुआ। श्री बेअंत सिंह यहां दूसरी मंजिल पर स्थित अपने कार्यालय से नीचे आकर बी.आई.पी. गेट के बाहर अपनी कार में अभी बैठ ही रहे थे कि बम विस्फोट हो गया।

यह बम विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि सचिवालय की 11 मंजिला इमारत बुरी तरह हिल गई इमारत की सभी मंजिलों की खिड़कियों के शीशे टूट गए। इस बम विस्फोट के डेढ़ घंटा बाद तक भी यह पता नहीं लग पा रहा था कि विस्फोट में कितने लोगों की मृत्यु हुई। सचिवालय के बी.आई.पी. गेट के आसपास कई लाशों के चीथड़े काफी दूर तक इधर-उधर बिखरे पड़े थे।

प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार इस शक्तिशाली बम विस्फोट में मुख्यमंत्री श्री बेअंत सिंह के अलावा उनके दो निजी सचिव श्री यशपाल बाली व श्री स्वर्ण व तीन कमांडोज सहित कुल 15 व्यक्तियों की मृत्यु हो गई और चार व्यक्ति गंभीर रूप से घायल

बम विस्फोट से मृत अन्य लोगों के बिखरे पड़े क्षत-विक्षत शव।

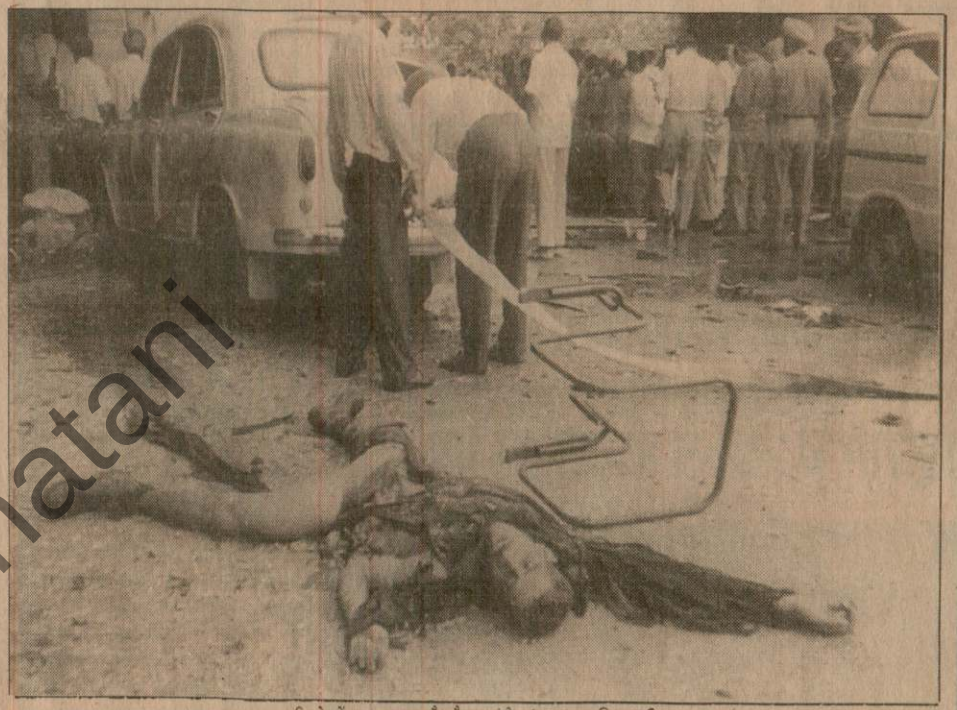

बम विस्फोट में मारा गया एक ब्लैक कैट कमांडो (छाया : अनिल पुरी)

गृह मंत्रालय द्वारा रैड अलर्ट : देश भर के हवाई अड्डों पर कड़ी निगरानी

नई दिल्ली, 31 अगस्त (मनमोहन शर्मा): पंजाब के मुख्यमंत्री सरदार बेअंत सिंह की निर्मम हत्या से सरकारी और राजनीतिक क्षेत्र दोनों ही स्तब्ध रह गए हैं। गृहमंत्रालय ने रैड अलर्ट जारी कर दिया है और देश भर की हवाई अड्डों पर निगरानी कड़ी कर दी है ताकि हत्यारे विदेशों में फरार न हो सकें।

इस घटना की सूचना मिलते ही केन्द्रीय गृहमंत्री शंकर राव चवन ने पंजाब के राज्यपाल लै. जनरल (अवकाश प्राप्त) बी.के.एन. छिब्बड़ से हाट लाईन पर सम्पर्क कर स्थिति की जानकारी ली। श्री चवन ने राज्यपाल से पंजाब में कानून और व्यवस्था की स्थिति को किसी हाल में न बिगड़ने देने के लिए आवश्यक निर्देश दिए।

श्री चवन ने इस घटना के तुरंत बाद गृह मंत्रालय में आंतरिक सुरक्षा के विशेष सचिव बी.के. जैन तथा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ पंजाब की स्थिति के बारे में विचार किया। गृह मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार श्री चवन, प्रधानमंत्री

(शेष पृष्ठ 12 पर)

हो गए। मृतकों में हरियाणा पुलिस का एक हैड कांस्टेबल श्री अजायब सिंह भी शामिल है जो उस वक्त वी.आई.पी. गेट पर तैनात था।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार जैसे ही श्री बेअंत सिंह ने अपनी बुलैट प्रूफ एम्बैसडर कार नम्बर पी.बी.-68, 3069 में चढ़ने के लिए पैर आगे बढ़ाया उसी वक्त बम विस्फोट हो गया और चारों तरफ अफरातफरी फैल गई। बम कार में रखा हुआ था। सचिवालय की सभी मंजिलों की खिड़कियों के शीशों के चकनाचूर हो जाने से कर्मचारी सचिवालय से बाहर भागने शुरू हो गए।

घटनास्थल पर वीभत्स दृश्य था। क्षत-विक्षत अंग, खून और कारों की खिड़कियों के टुकड़े जहां-तहां बिखरे पड़े थे। विस्फोट में श्री बेअंत सिंह के चीथड़े उड़ गए।

बम विस्फोट में मुख्यमंत्री के आगे उनके कमांडोज की कार नम्बर पी.बी.-27, 6516 और पीछे खड़ी सुरक्षा कर्मियों की कार नम्बर पी.बी.-27, 6514 भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। श्री बेअंत सिंह का शव इतना क्षत-विक्षत हो गया कि उसकी पहचान करना भी मुश्किल हो गया। बम विस्फोट में उनके मारे जाने की पुष्टि उनके सिर के बालों से की गई।

भारी सुरक्षा क्षेत्र में हुए इस बम विस्फोट ने आम जनता को ही नहीं बल्कि उच्च वरिष्ठ अधिकारियों को भी हैरानी में डाल दिया। पंजाब के पुलिस प्रमुख श्री के.पी.एस. गिल भी इस बम विस्फोट को देखकर दंग रह गए। पुलिस का मत है कि यह शक्तिशाली बम विस्फोट रिमोट कंट्रोल की मदद से किया गया, लेकिन यह किसी की समझ में नहीं आ रहा कि आखिर बम मुख्यमंत्री वाली कार में रखा कैसे गया। विस्फोटक विशेषज्ञों का मत है कि इस विस्फोट के लिए आर.डी.एक्स. का इस्तेमाल किया गया। मुख्यमंत्री की कार हमेशा कड़ी सुरक्षा व्यवस्था में रहती है।

इस घटना की सूचना पाते ही पंजाब के कई मंत्री तक स्तब्ध रह गए। घटनास्थल पर पहुंचते ही मंत्रियों की आंखें छलक आईं।

विस्फोट के बाद पुलिस ने घटनास्थल को इस तरह घेर लिया कि किसी मंत्री तक को मुख्यमंत्री का शव देखने के लिए आगे न जाने दिया गया। दूर से ही मंत्री आपस में यह कहते रहे कि हम तो यतीम हो गए और पंजाब बर्बाद हो गया।

चंडीगढ़ के जनरल अस्पताल व पी.जी.आई. से मिली सूचना के अनुसार बम विस्फोट से कुल 19 व्यक्ति घायल हुए, जिनमें भटिंडा के विधायक श्री बलदेव सिंह भी शामिल हैं। जो घायल व्यक्ति पी.जी.आई. में उपचाराधीन हैं, उनमें श्री बलदेव सिंह के अलावा सचिवालय के बी.आई.पी. गेट पर तैनात हरियाणा पुलिस का कांस्टेबल पाला राम, गेटकीपर तोता राम, मुख्यमंत्री की सुरक्षा से संबंधित सी.आर.पी.एफ. के एस.पी. श्री डी.के. त्रिपाठी, सुरक्षा गार्ड धनवंत सिंह व एक अज्ञात व्यक्ति शामिल है। इसके अलावा तीन अन्य व्यक्तियों पंजाब पुलिस के ए.एस.आई. मुख्तयार सिंह, हरियाणा पुलिस के हैड कांस्टेबल अजायब सिंह व एक पी.एस.ओ. चमकौर सिंह को भी पी.जी.आई. में लाया गया, लेकिन अस्पताल पहुंचने तक उनकी मृत्यु हो चुकी थी।

बम विस्फोट में घायल जिन 13 व्यक्तियों को उपचार के लिए जनरल अस्पताल में दाखिल करवाया गया है, उनमें अजायब सिंह, जोगिंदर सिंह, हैड कांस्टेबल मनमोहन सिंह, वीरेन्द्र राणा, उपकार, मनजीत सिंह, कुलदीप सिंह, केसर सिंह, सुविंदर सिंह, कुलवंत सिंह, दुर्गा दास, बलबीर सिंह व महावीर प्रसाद शामिल हैं। पी.जी.आई. में उपचाराधीन सभी 6 व्यक्तियों की हालत चिंताजनक बताई जाती है।

यह भी पता चला है कि इस बम विस्फोट से श्री बेअंत सिंह की सुरक्षा से संबंधित दो ब्लैक कमांडोज के कान के पर्दे फट गए। पंजाब के राज्यपाल श्री बी.के.एन. छिब्बड़ ने मौके पर जाकर घटनास्थल का दौरा किया।

और बम विस्फोटों की आशंका : गुप्तचर सूत्रों ने आशंका व्यक्त की है कि आगामी 24 घंटों के दौरान पंजाब व इसके आसपास के राज्यों के संवेदनशील इलाकों में बम विस्फोट हो सकते हैं।

पंजाब में भी 7 दिन का शोक : 'वि.प्र.' के अनुसार पंजाब के कार्यवाहक मुख्यमंत्री श्री हरचरण सिंह बराड़ ने आज रात यहां कहा कि श्री बेअंत सिंह के निधन पर सरकारी तौर पर सात दिन का शोक मनाया जाएगा। एक सितम्बर को कांग्रेस विधायक दल की चंडीगढ़ में बैठक बुलाई गई है जिसमें श्री बेअंत सिंह को श्रद्धांजलि भेंट की जाएगी।

उन्होंने बताया कि श्री बेअंत सिंह का मृतक शरीर एक सितम्बर को पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी (इ) के मुख्यालय कांग्रेस भवन में रखा जाएगा, जहां लोग उन्हें श्रद्धांजलि भेंट कर सकेंगे।

उन्होंने बताया कि दो दिन सरकारी छुट्टी करने का फैसला किया गया है।

विधायक दल के नेता का चयन : उन्होंने कहा कि विधायक दल के नेता का चुनाव श्री बेअंत सिंह के अंतिम संस्कार के बाद किया जाएगा।

बब्बर खालसा ने ज़िम्मेवारी ली

जालधर, 31 अगस्त (का.प्र.): बब्बर खालसा इंटरनैशनल ने पंजाब के मुख्यमंत्री बेअंत सिंह की हत्या की ज़िम्मेवारी ली है। इस संबंध में पंजाब केसरी के कार्यालय को फैक्स पर हस्ताक्षरित वक्तव्य प्रेषित किया गया है, जिसमें कहा गया है कि, "बब्बर खालसा इंटरनैशनल के मुखी भाई वधावा सिंह ने अखबारों के नाम बयान जारी करके पंजाब के मुख्यमंत्री बेअंत सिंह को मारने की ज़िम्मेवारी अपने सिर पर ली है। सिख कौम के साथ जो दुश्मनी इसने की थी, उससे दुष्टों की सूची में यह पहले नम्बर पर आ गया था इसलिए इसे सज़ाए-मौत देनी पड़ी।" नीचे हस्ताक्षरों में कहा गया है--वधावा सिंह, मुख्य सेवादार, बब्बर खालसा इंटरनैशनल तथा जारी कर्त्ता--महल सिंह, विदेश सचिव, बब्बर खालसा इंटरनैशनल।

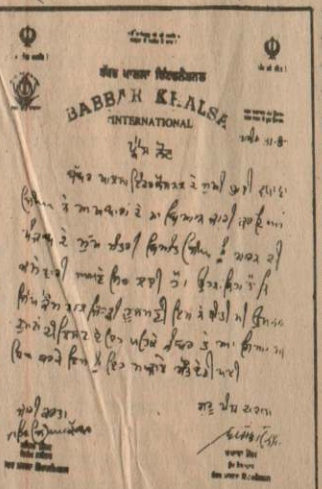
BABBAR KHALSA
INTERNATIONAL

Punjabi Sanatani

करता हुआ।

बम विस्फोट में मारे गए व्यक्ति का धड़

प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या लगभग एक ढंग से की गई है। पुलिस ने यह जानकारी दी।

वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने यहां कहा कि बेअंत सिंह की हत्या सुरक्षा के कई घेरों के बावजूद हुई क्योंकि उसमें गम्भीर खामी थी और यही राजीव गांधी के साथ हुआ था।

राजीव गांधी की हत्या में भी उग्रवादी (मानव बम) की शक्ल में सुरक्षा के कई घेरे और व्यापक जांच-पड़ताल की दीवार तोड़ कर पूर्व प्रधानमंत्री के पास जा पहुंचा था।

अधिकारियों ने यह भी कहा कि 70 वर्षीय मुख्यमंत्री की हत्या से उग्रवाद विरोधी अभियान को धक्का लगा है। बेअंत सिंह के नेतृत्व में 1992 में आतंकवाद विरोधी अभियान को काफी बल मिला था।

श्री बेअंत सिंह ने अपने निधन के कुछ देर पहले सम्वाददाताओं से बातचीत करने से इंकार करते हुए उनसे बाद में मिलने का अनुरोध किया था। श्री बेअंत सिंह ने सम्वाददाताओं की ओर से सवाल पूछे जाने पर कहा था, "इस समय मैं बहुत थका हुआ हूं, कृपया कल मेरे पास आइए।"

कांग्रेस द्वारा पंजाब बंद का आह्वान : पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी (इ) ने मुख्यमंत्री श्री बेअंत सिंह के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए आज के दिन को पंजाब के इतिहास का काला दिन करार देते हुए एक सितम्बर को पंजाब बंद का आह्वान किया है। यह जानकारी पार्टी के महासचिव श्री गुरमेल सिंह ने दी है।

हरियाणा में 7 दिन का शोक : हरियाणा सरकार ने पंजाब के मुख्यमंत्री श्री बेअंत सिंह की आज सायं एक बम विस्फोट में हुई मृत्यु पर राज्य में सात दिन का शोक रखने की घोषणा की है। इसके साथ ही तीन दिन 3 सितम्बर तक राज्य के सभी सरकारी कार्यालय व शैक्षणिक संस्थान शोक में बंद रखने का फैसला किया गया। नैगोशिएबल इन्स्ट्रूमैंट एक्ट के अधीन भी इन तीनों दिन छुट्टी रहेगी।

अदालतें आज बंद रहेंगी : पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार से प्राप्त सूचना के अनुसार पंजाब तथा चंडीगढ़ में सभी दीवानी तथा फौजदारी अदालतें एक सितम्बर को बंद रहेंगी।

उत्तर भारत में रैड अलर्ट : पंजाब के मुख्यमंत्री श्री बेअंत सिंह की बम विस्फोट में मृत्यु के दृष्टिगत दिल्ली, पंजाब, हरियाणा व चंडीगढ़ में रैड अलर्ट घोषित कर दिया गया।

चंडीगढ़ पुलिस ने शहर से बाहर जाने वाले सभी रास्ते सील कर दिए हैं ताकि उग्रवादी तत्वों को भागने से रोका जा सके। विभिन्न स्थानों पर नाके लगा दिए गए हैं तथा वाहनों की जांच की जा रही है। श्री बेअंत सिंह के पैतृक जिला लुधियाना में भी सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

दिल्ली में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने स्थिति की आज समीक्षा की तथा सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करने के लिए पग उठाए गए।

पायलट चंडीगढ़ रवाना : सूरत (प.स.): केंद्रीय आंतरिक सुरक्षा राज्यमंत्री श्री राजेश पायलट आज यहां श्री बेअंत सिंह की हत्या के बारे सुन कर

चंडीगढ़ के सैक्टर-19 में बेहोश होकर गिरी हुई अज्ञात युवती के पास खड़े पुलिस अधिकारी व कर्मचारी। (छाया : पुरी)

घोषणा की। केंद्र सरकार के सभी कार्यालय कल बंद रहेंगे।

कार्यसमिति की बैठक आज : कांग्रेस कार्यकारिणी समिति ने श्री बेअंत सिंह की मृत्यु पर शोक प्रकट करने के लिए कल नई दिल्ली में प्रधानमंत्री निवास पर बैठक बुलाई है।

केंद्रीय गृहमंत्री श्री एस.बी. चवन ने आज कहा कि बम विस्फोट की पूरी जांच की जाएगी ताकि पता लगाया जा सके कि इस जघन्य अपराध के पीछे किसका हाथ था। श्री चवन ने कहा कि अपराधी बच नहीं सकता और उन्हें जल्द ही पकड़ लिया जाएगा। जब उनसे यह पूछा गया कि इस घटना के बाद पंजाब फिर से आतंकवाद की गिरफ्त में चला जाएगा, श्री चवन ने कहा, "मुझे ऐसा नहीं लगता, यह एक अलग घटना है।"

नई दिल्ली (वार्ता): कांग्रेस से अलग हुए गुट के कार्यकारी अध्यक्ष श्री अर्जुन सिंह ने बेअंत सिंह की हत्या को अत्यंत दुखद बताते हुए कहा है कि आतंकवाद का डटकर मुकाबला करने वाले पंजाब के मुख्यमंत्री अंततः आतंकवाद का ही शिकार हो गए।

उन्होंने कहा कि पूरा देश श्री बेअंत सिंह के शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना प्रकट करता है।

राष्ट्रपति डा. शंकर दयाल शर्मा और देश के सभी प्रमुख राजनीतिक दलों तथा राष्ट्रीय नेताओं ने आज चंडीगढ़ में पंजाब के मुख्यमंत्री श्री बेअंत सिंह तथा सुरक्षा कर्मियों की पाशविक हत्या की कड़े शब्दों में निंदा की गई है और देशवासियों विशेषकर पंजाब के लोगों से इस कठिन समय में हर स्तर पर शांति बनाए रखने की अपील की है।

राष्ट्रपति डा. शंकर दयाल शर्मा ने पंजाब के मुख्यमंत्री श्री बेअंत सिंह की हत्या की निंदा करते हुए इसे एक क्रूरतापूर्ण और बर्बर कृत्य बताया। उन्होंने अपनी श्रद्धांजलि देते कहा कि श्री सिंह ने पंजाब में शांति और समृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनकी शहादत से आतंकवाद के खिलाफ संघर्ष में देश का संकल्प और मजबूत होगा।

Punjabi Sanatani

बेअंत सिंह का निधन

(पृष्ठ 1 का शेष)

व्यक्तियों की शिनाख्त अभी की जा रही है। उन्होंने इस बम विस्फोट में मुख्यमंत्री की सुरक्षा से जुड़े लोगों की मिलीभगत होने की सम्भावना से इंकार नहीं किया। उनका कहना था कि मुख्यमंत्री के सुरक्षा में कोई ढील नहीं दी जा रही थी। विस्फोट के लिए प्रयोग की गई तकनीक और इसमें संलिप्त लोगों का पता लगाने के लिए बड़ी बारीकी से छानबीन की जा रही है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री की सुरक्षा के प्रभारी उप-महानिरीक्षक श्री जे.पी. बिरदी को एक महीने पहले ही इस पद पर लाया गया था।

सचिवालय के द्वार पर लगे एक्स-रे स्कैनिंग मशीन और मैटल भी विस्फोट में बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए।

विस्फोट के धमाके से निकट ही स्टेट बैंक की शाखा में लगी दीवार घड़ी बंद हो गई, इसमें उस वक्त पांच बज कर तेरह मिनट बजे थे।

सचिवालय के स्वागत कक्ष की छत और पार्टीशन दीवारें भी विस्फोट से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

पी.जी.आई. में भर्ती सचिवालय का गेटकीपर तोता राम और एक अज्ञात व्यक्ति दम तोड़ गए। मृतकों की आधिकारिक सूची जारी नहीं की गई है। मृतकों में मुख्यमंत्री की कार का ड्राईवर दर्शन सिंह भी शामिल है।

बाद में घटनास्थल से मुख्यमंत्री का एक पैर और कड़ा भी मिला। पैर की पहचान उनके जूते से हुई। पायलट कार में सवार एक ब्लैक कैट कमांडो, जो इस भयंकर विस्फोट में साफ बच निकला, ने बताया कि मुख्यमंत्री जब कार में सवार हो रहे थे उस वक्त विस्फोट हुआ। बच निकले कमांडो विस्फोट स्थल पर भौचक्के खड़े थे। एक व्यक्ति का पैर विस्फोट स्थल से 100 मीटर दूरा जा गिरा।

पंजाब के मुख्यमंत्री श्री बेअंत सिंह तथा पूर्व

Punjab Digital Library

भीषण बम विस्फोट में बेअंत सिंह का निधन

पंजाब हरियाणा सचिवालय के मुख्य द्वार पर वी.आई.पी. कार में धमाका : 15 सुरक्षा कर्मी भी मारे गए

सात दिन का शोक : पंजाब, हरियाणा में तीन दिन की छुट्टी : पूर्व घोषित कार्यक्रम रद्द

आज पंजाब बंद का आह्वान : राष्ट्रीय नेताओं द्वारा दिवंगत नेता को श्रद्धांजलियां : उत्तर भारत में रैड अलर्ट

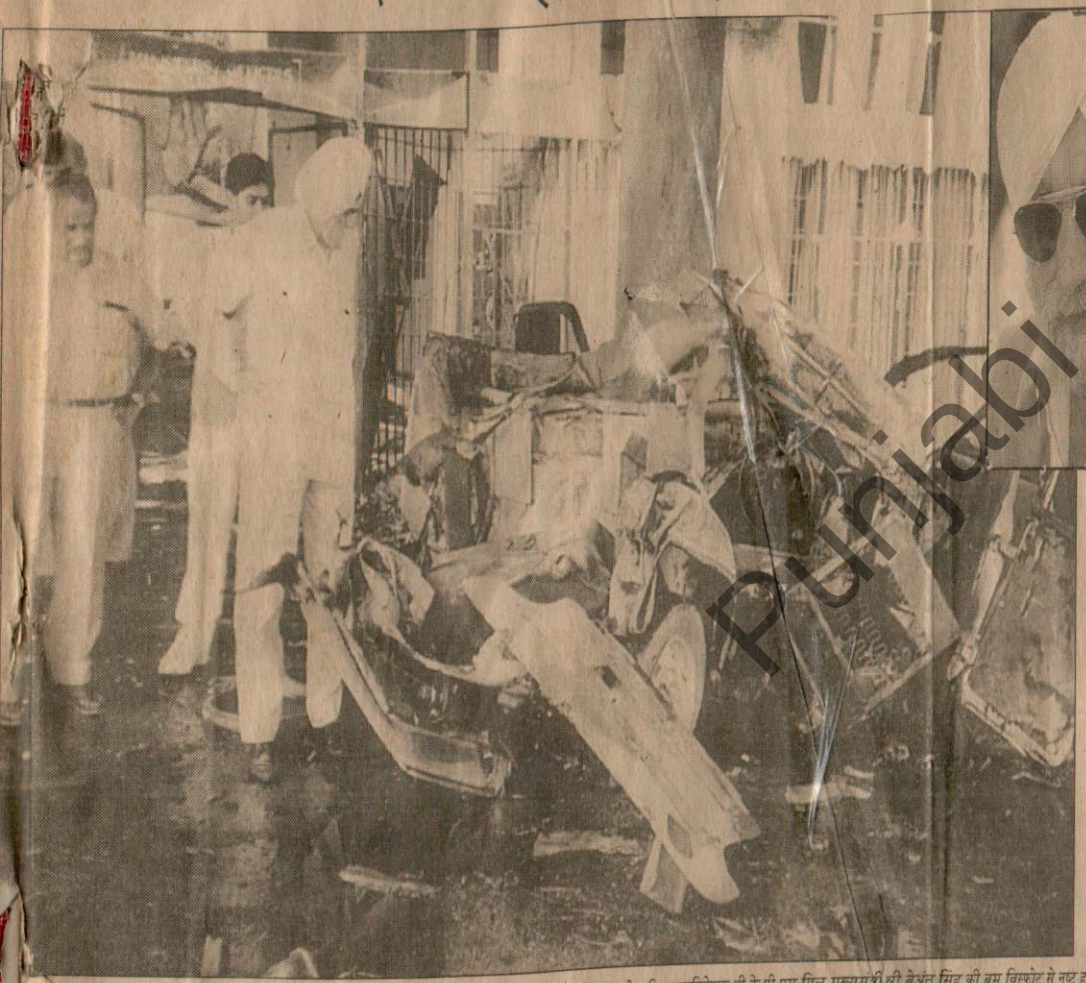

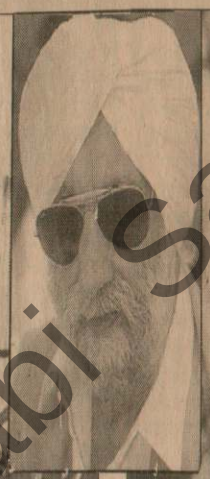

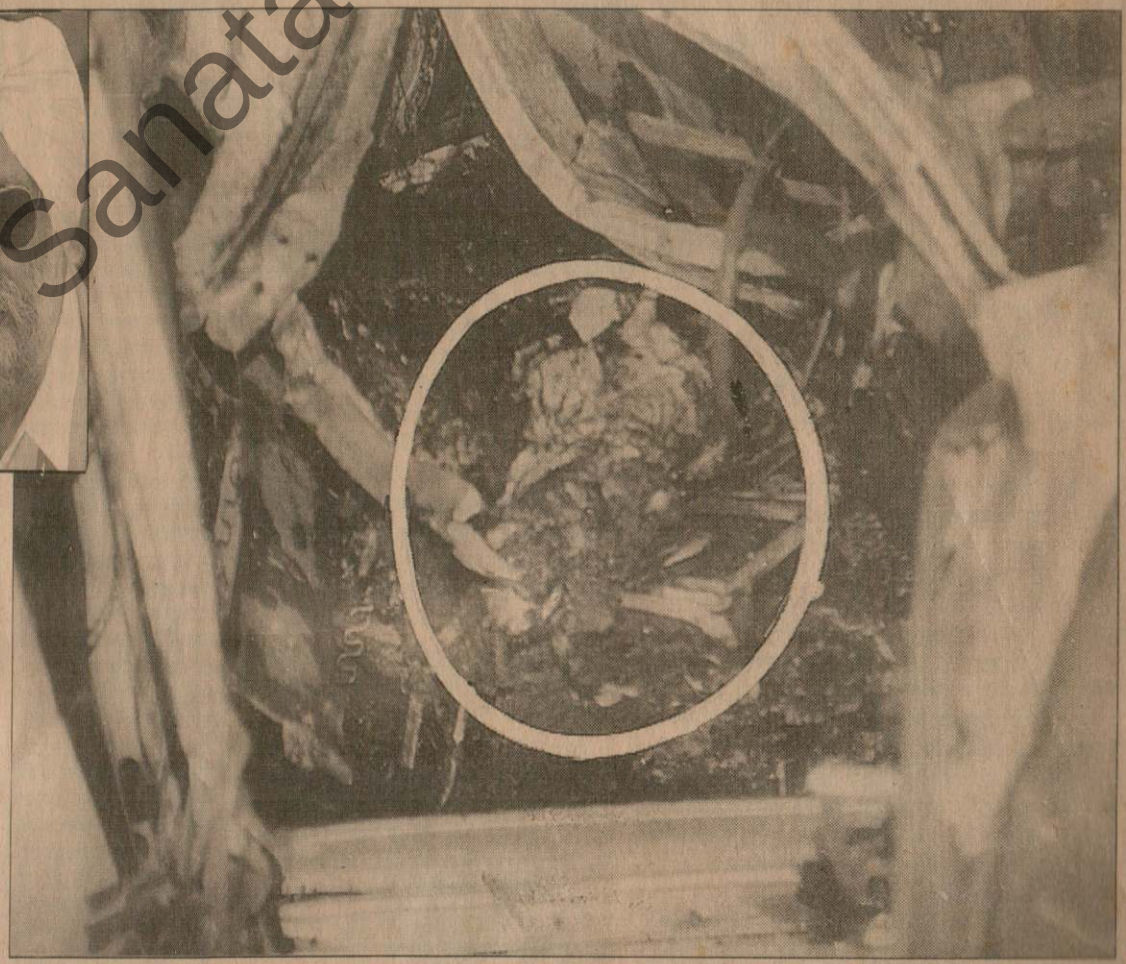

(ऊपर) पंजाब के पुलिस महानिदेशक श्री के.पी.एस.गिल मुख्यमंत्री श्री बेअंत सिंह की बम विस्फोट से नष्ट हुई कार का निरीक्षण करते हुए। (दाएं) कार के मलबे में पड़े श्री बेअंत सिंह के शरीर के अंग (सफेद दायरे में)

Punjabi Sanatan

KRANTI®
Water Meter
ON D.G.S. & D RATE CONTRACT
SIZE 15 mm TO 250 mm
MFD. BY
AMAN ENGINEERING WORKS
30-31, Aman Nagar, Jalandhar-144 004
Phone : 292364, 292365, 292366

THE TRIBUNE

115TH YEAR OF PUBLICATION

Vascic Body MRI SCAN
Mammography
ADVANCED DIAGNOSTICS
17/8, Kennedy Avenue, The Mall, Amritsar - 143001
Ph:221136 Fax:91-0183-220875

Vol. 115 No. 241 City Edition Chandigarh : Friday, September 1, 1995 Pages 16 Rs 2-00

BEANT SINGH ASSASSINATED

The dark face of militancy again

by Hari Jaisingh

WITH the shocking death of Chief Minister Beant Singh in a powerful blast of a bomb planted right in his car, the ghost of terrorism seems to have come back in Punjab with a vengeance. This gruesome incident has occurred at a time when a sense of complacency had begun to sink in the politico-administrative psyche of the state. Not that there was any visible scaling down of the security measures around the VVIPs. The security ring around the ministers and other important functionaries had come to acquire a status symbol more than being an exercise in substance. The very fact that the bomb exploded as the Chief Minister got into his car with a paraphernalia of commandos shows the penetration of saboteurs right in his maximum security zone. It is apparently the handiwork of some insiders who were supposed to protect him from possible sniper shots from militants. This is a clear case of a deep-rooted conspiracy and to that extent a total failure of counter-intelligence operations which is supposed to check, recheck and monitor the goings-on among those who are meant to protect VVIPs. There is in this an obvious parallel with what killed Indira Gandhi.

A very serious development, Thursday's bloody drama outside the Punjab Secretariat, means a big setback to the fight against terrorism in Punjab of which Mr Beant Singh had emerged as an uncrowned hero. This gruesome happening should force the policy-makers and the people in general to thoroughly review the state of militancy in Punjab. There have, of course, been reports from time to time of various attempts at regrouping of different militant groups in consultation and coordination with their patrons overseas and across the border. But officially nothing was thought to be a serious enough threat to the growing normalcy in Punjab. Without panic reaction, there is the utmost need for a calm and calculated response at this hour of crisis. This gory incident may mean different things to different groups, but the fact remains that the people had begun to take for granted the atmosphere of peace and cordiality in the state. With that, expectations too were growing for a faster pace of growth and development.

The atmosphere of peace and normalcy will have to be maintained. There can be no compromise on this. Also, the process of democracy must have its full play. The question now is not of who is the winner or who the loser. The people of Punjab must rise as one man and tell the rest of the country and the world that the blood shed by the author of peace in the state after over a decade of terrorism shall not go waste. The people of Punjab are both dynamic and vibrant. They have suffered immensely under the shadow of bullet. We expect them not to allow history to repeat itself. All that is required is less complacency and more vigilance. There is a price to be paid for freedom. And we know how and when we should stand up and be counted. Over to the new man, Mr Harcharan Singh Brar, and the people of Punjab.

Car bomb leaves 15 more dead

Tribune News Service

CHANDIGARH, Aug 31 — The Chief Minister of Punjab, Mr Beant Singh was killed today in a powerful car bomb blast outside the Civil Secretariat building here.

At least 15 other persons, including three members of his personal staff, three National Security Guards, and two gatekeepers, were also killed and 16 injured.

The attack took place shortly after 5 p.m. The Chief Minister came down in a lift from his first floor office, walked to his car parked in the porch, which blew up as soon as he stepped into it. Eyewitnesses said a big orange ball of fire engulfed the entire area and thick smoke billowed all around. Two other cars parked around the Chief Minister's vehicle were also destroyed in the blast.

The body of Mr Beant Singh lay charred and mutilated beyond recognition between the front and back seat of the car. A steel bangle (kara) and a shoe (jooti) were the only things left to help identify his body.

The powerful bomb blast wreaked havoc in the porch and the VIP lobby areas of the Civil Secretariat. It also caused extensive damage to the Chief Minister's office, the VIP waiting room, and the offices of Mr Beant Singh's Political Secretary and security chief, and the room of Mr Harcharan Singh Brar, located on the building's first floor.

The entire site was a picture of devastation. Three cars, including the one carrying the Chief Minister, were reduced to mangled hulks of steel. Mutilited bodies and severed limbs littered the porch and the VIP lobby. The floor of the VIP lobby was strewn with broken windowpanes, while the false ceiling of the lobby as well as the Chief Minister's office partly collapsed. All electrical fixtures were also smashed.

Beant Singh's life in pictures — page 9
Obit — page 3

Pieces of flesh were even littered on the staircase leading to the first floor.

As the news of the blast spread, hundreds of government employees, preparing to leave their offices, gathered at the spot. The Punjab DGPs, Mr KPS Gill and Mr O.P. Sharma, were among the first to reach the site. Four fire tenders were pressed into service to control the fire, which was soon put out.

The Chandigarh police cordoned off the area.

The bomb appeared to have been triggered by a remote-control device, a method frequently employed by Punjab militants during the decade-and-half of violence in the state.

Twentythree persons were admitted to the General Hospital and the PGI here with critical injuries. Of the eight injured, one was identified as Mr Baldev Singh Pucca Kalan, an MLA from Bathinda district, while the rest were security personnel. The bodies of three Black Cat commandos, part of the inner security ring of the Chief Minister, were also taken to the PGI.

A Black Cat commando, who was in the pilot car and survived the blast, told TNS that the explosion occurred when the Chief Minister was getting into the car. The impact of the blast was so powerful that all the windowpanes in the area were smashed and the door to the VIP lobby was partly knocked down.

The commando and, who survived the blast, stood at the site looking dazed stunned. One of them, his hair singed by the fire, said his hearing had been impaired.

The X-ray scanning machine and the door-frame metal detector installed at the entrance of the gate were badly damaged.

This was the second blast at the civil secretariat. The first blast occurred three years ago in a cycle stand close to the office of the Punjab Chief Minister.

Mr Beant Singh's body will lie in state at his official residence in Sector 2 from tomorrow afternoon. A meeting of the Council of Ministers will be held here tomorrow at 2 p.m., followed by a meeting of the Congress Legislature Party at 3 p.m. at Punjab Vidhan Bhavan.

The time and place of cremation would be announced after holding consultations with members of his family.

Mr Beant Singh is the first Chief Minister of Punjab to die in office. Only two days before his death, speaking to newspersons about the positive reaction to the concessions announced by him at a kisan rally at Patiala, he had said: "In spite of all this, there are people who want to kill me."

He, however, never took the threat

Continued on page 16 col 2

What was left of Chief Minister Beant Singh's car after the bomb blast in the tight security zone of the Punjab and Haryana Secretariat on Thursday. And (right) mutilated bodies and scattered limbs of the killed commandos.

— Tribune photographs by Karam Singh

Brar is interim CM

Tribune News Service

CHANDIGARH, Aug 31 — Mr Harcharan Singh Brar, the senior most minister in Beant's Cabinet, was tonight sworn in as the interim Chief Minister of Punjab.

The brief ceremony took place in a room at Punjab Raj Bhavan shortly after 8.30 p.m. The state Governor, Lieut-Gen BKN Chhibber, administered the oath of office to Mr Brar.

Those who attended the function included Mr A.S. Pooni, Chief Secretary, Mr K.P.S. Gill, state police chief, Mr Vinod Duggal, Adviser to the UT Administrator, Mr Jivtesh Singh Mani, Principal Secretary to the Chief Minister and Mr S.S. Dawra, Information Secretary.

Only two members of Beant's Council of Ministers — Mr Karam Singh Gill and Mr Mohinder Kaypee, attended the ceremony. The other ministers were either out of station or stayed away from the ceremony because of mourning.

The swearing in of Mr Brar was preceded by a formal announcement by the Chief Secretary about the death of Mr Beant Singh.

Mr Brar said all members of Beant's Council of Ministers would be included in his ministry. The oath-taking ceremony would be held after the cremation of Mr Beant Singh's body and the seven-day mourning.

2-day national mourning

NEW DELHI, Aug 31 (PTI) — A state funeral will be accorded to Mr Beant Singh, according to sources in the Union Home Ministry.

State mourning will be observed for two days — on September 1 and 2 — throughout the country and all central government offices will remain closed tomorrow, the sources told PTI today.

The Central Government offices located at the place of the funeral, which is yet to be decided, will remain closed for half a day on the day of the cremation.

The Madhya Pradesh Government has also declared a two-day state mourning from tomorrow. State government offices will not function tomorrow.

CHANDIGARH, TNS — The Punjab and Haryana Governments and the Chandigarh Administration today declared a seven-day state mourning.

The Himtachal Government announced a three-day mourning as a mark of respect to the slain Chief Minister.

Babbars own responsibility

NEW DELHI, Aug 31 (UNI) — Terrorist outfit Babbar Khalsa International late tonight claimed responsibility for the killing of Punjab Chief Minister Beant Singh.

In a fax message received by UNI here after midnight, Babbar Khalsa said: "Beant Singh had come on top of our hit list after he betrayed the Sikh community."

"We had to give the death sentence to him (Beant Singh) because of this," it said.

Punjab's interim Chief Minister, Mr Harcharan Singh Brar, sits in mourning with members of the Council of Ministers of Mr Beant Singh at the residence of the late Chief Minister on Thursday.

— A Tribune photograph

Shock, confusion at Centre

Tribune News Service

NEW DELHI, Aug 31 — The Centre was deeply shocked and stunned as the news of the assassination of the Punjab Chief Minister, Mr Beant Singh, reached north block.

The Prime Minister, Mr P.V. Narasimha Rao, is away in Madurai and will be returning late in the night. While a decision was taken by the Centre to give the temporary charge of the post of Chief Minister to the number two man in the Beant Singh Cabinet, Mr H.S. Brar, the Centre is yet to take a decision on the question of national mourning for the hero who brought peace to Punjab.

The Cabinet Secretary, Mr Surinder Singh, sat late in his office to receive instructions. But no instructions came to him. So much so, the government did not issue even a condolence message on behalf of the Prime Minister. Frantic calls to the office and the residence of the Union Home Minister, Mr S.B. Chavan, failed to elicit a condolence message. That, too, will await the arrival of the Prime Minister.

The official spokesman of the government of India, Mr S. Narendra, is away to Jaipur while the Information Adviser to the Prime Minister, Mr P.V.R.K. Prasad, is away in Madurai. The Minister of State for Internal Security, Mr Rajesh Pilot, is rushing back to New Delhi from Surat. He will be present in Chandigarh to attend the funeral of the saviour of Punjab whose life could not be saved by his commandos.

Mr Buta Singh, Minister for Civil Supplies, is in London while Dr Balram Jakhar, Union Agriculture Minister, is in Brazil. Mr S.B. Chavan, who is coordinating the arrangements relating to the funeral and the successor to the assassinated Chief Minister was in no position even to tell the Governor, Mr B.K.N. Chhiber, what exactly was in store.

In fact so confused was the atmosphere and so grave was the disbelief that even senior officers of the Union Home Ministry and the Intelligence Bureau did not know until 6.30 p.m. what exactly had happened at the Secretariat, although the incident had taken place at 5.05 p.m.

The Haryana Chief Minister, Mr Bhajan Lal, who landed in Delhi in the evening was perhaps the first one to know about the incident.

According to authoritative sources, the Cabinet Secretary held no meeting with the Special Secretary (Internal Security), Mr V.K. Jain, or with the Directors of the Intelligence Bureau or RAW to take stock of the situation.

A messiah gone, says Chhibber — page 3

The Prime Minister will be holding a meeting with his close aides at 11.30 p.m. tonight after his arrival from Madurai.

The President, the Vice-President, the Prime Minister and leaders of different political parties condemned the assassination.

They said it was a "cowardly and heinous act totally against the culture and spirit of India."

The President, Dr Shanker Dayal Sharma, said Beant Singh's martyrdom would strengthen "our national resolve to overcome terrorism."

The Prime Minister, who was on a day's trip to Madurai, condemned the dastardly act. He was in constant touch with the Home Minister, Mr S.B. Chavan, and the state Governor, Lieut-Gen Chibber (retd).

The assassination was described as a "ghastly act of violence" and as a "very sad day for Punjab."

The Haryana Chief Minister, Mr Bhajan Lal, described it as a "murder of secularism and tolerance and not as the killing of an individual." The assassination of Beant Singh was a personal loss to him and also a national loss.

Former Prime Minister V.P. Singh expressed shock at the demise of Beant Singh and said peace should be maintained.

He said the incident had put a question mark on the government's claim that normalcy had returned to Punjab.

Mr Singh also expressed heartfelt

Continued on page 16 col 1

Blast to be probed, says Chavan

NEW DELHI, Aug 31 (PTI) — The Home Minister, Mr S.B. Chavan, today said a full inquiry will be held into the bomb blast that killed Punjab Chief Minister, Mr Beant Singh, to find out the people behind the heinous crime.

Mr Chavan said: "The culprits cannot get away and they will be tracked down soon."

Asked whether Punjab would again slip into militancy as a result of this incident, the Home Minister said: "I don't think so. It is an isolated incident."

To a question whether the government had any intelligence report suggesting likelihood of such incidents, Mr Chavan said: "We had this kind of warning but that was related to Independence Day. That is why we had taken stricktest measures that day in Delhi and other parts of the country," he said.

Mr Chavan said Mr Beant Singh was the target of militants and had escaped several times. "That is why we had provided the maximum security."

The Home Minister said the situation in Punjab was reviewed by the ministry and all those who were required to be alerted had been sounded. He also spoke to the Governor to apprise himself of the latest situation.

Meanwhile, a high-level meeting of the Union Home Ministry held a late night emergency session in the wake of the killing of Mr Beant Singh.

The meeting discussed the possible clues, including the hand of Pakistan Intelligence Outfit ISI in the ghastly bomb explosion.

Handiwork of terrorists, says DGP — page 3

Two-day holiday in Punjab, UT

Tribune News Service

CHANDIGARH, Aug 31 — The offices of the Haryana Government and educational institutions will remain closed for three days as a mark of respect to the slain Chief Minister, Beant Singh.

The Punjab Government and the Chandigarh Administration announced today that all government offices and educational institutions in the state and the union territory would remain closed for two days.

The Panjab University administrative wing and teaching departments will remain shut tomorrow.

The Punjab and Haryana High Court and subordinate courts in the two states and the union territory will not be open tomorrow

The holidays declared by the Haryana and Punjab governments and the Chandigarh Administration will be holidays under the Negotiable Instruments Act.

Chinks in security exposed

By Prabhjot Singh

Tribune News Service

CHANDIGARH, Aug 31 — Many heads may roll as a fall out to the assassination of Chief Minister Beant Singh outside the Civil Secretariat building in a high security zone here this evening.

The killing of the Chief Minister and 15 other has exposed chinks in the security cover provided to the VIPs of the state. The security of the Chief Ministers of Punjab and Haryana and the Civil Secretariate building is looked after by the police departments of two states in coordination with the Chandigarh police.

Though the police and forensic experts refuse to be drawn into any argument on the type of the explosives and devices used in engineering the blast, they agree that it was a high intensity bomb which went off the moment the Chief Minister stepped into his waiting bullet proof white Ambassador car. His car took the maximum impact as it was reduced to a heap of bent and burnt steel. The other two Ambassador cars, also bullet proof, had a lesser impact. The pilot car caught fire and the escort car was damaged by the intensity of the blast.

The Director-General of Police, Mr K.P.S. Gill, said at a press conference that it was a "security lapse."

"Of course it is a sabotage. It is a terrorist act. I have been maintaining that there is no let up in terrorist activity and vigilance is required all the time. The ISI is active," Mr Gill said.

Only on Sunday last when the Chief Minister had gone to Ludhiana there was a blast en route. Referring to that, the DGP maintained that Ludhiana incident was still under investigation.

The civil secretariat building has a heavy deployment of policemen. Non-official vehicles are not permitted into the area. Visitors are required to get passes from where car garages were located in earlier days. The entire complex was fenced with high-barbed wire.

The assassination has thrown up a number of questions. If the car is always under security cover, how come it is made a precise target of a bomb explosion? If it was a time device then the one who operated it must be at a visible distance from the vehicle? In case of any contingency, is there any emergency plan? After the blast today, there was a confusion as

Continued on page 16 col 1

Red alert in region

Tribune News Service

CHANDIGARH, Aug 31 — A red alert has been sounded in Punjab, Haryana and the Union Territory of Chandigarh following the powerful bomb blast outside the Punjab Civil Secretariat here this evening which claimed the life of the Punjab Chief Minister, Mr Beant Singh.

The Chandigarh police has sealed all outlets to prevent the escape of militant elements. Nakas have been set up in the Union Territory and checking of vehicles has been launched.

SHIMLA: The alert has also been sounded in Himachal Pradesh.

State DGP B S Thakur said that security of VVIPs and others important persons and vital installations had been beefed up.

NTR resigns

HYDERABAD, Aug 31 (PTI, UNI) — Mr Chandrababu Naidu was today invited to form the new government in Andhra Pradesh by the Governor, Mr Krishan Kant.

Earlier, a four-member delegation led by Dr D. Venkateswara Rao, MP, handed over a letter to the Governor staking claim to form the government since Mr Naidu was unanimously elected TDLP leader.

Edit : High tension and low drama

The Governor, in reply, invited Mr Naidu to form the government.

Mr Naidu will take the oath of office at 12.15 p.m. tomorrow, Raj Bhavan sources said.

Earlier in the day, Mr Rama Rao tendered his resignation bringing to end the week-long political crisis in the state.

The resignation was accepted by Governor Krishan Kant, barely two hours before the crucial trial of strength in the state assembly, sources said.

Mr Rama Rao handed over the resignation letter when the Governor called on him at the Mediciti Hospital here, where he was admitted after he suffered a mild heart stroke.

Mr Rama Rao's Secretary Dr N. Jayaprakash Narayan and Additional Director-General of Police (Law and Order) H.J. Dora drove to Raj Bhavan around 1.30 p.m. from the hospital to inform the Governor about the resignation.

The resignation letter was handed over to the Governor who reached the

Continued on page 14 col 6

Other pages

Region
Bankmen go on strike..... page 3
Nation
ECs to meet every Wednesday ..... page 7
Opinion
Who is afraid of N.N. Vohra?, asks M.G. Devasahayam ..... page 8
Business Tribune
Overbilling main complaint of consumers, says Pushpa Girimaji in her Check-Out column ..... page 10
Sport
Graf, Becker, enter third round of US Open ..... page 12

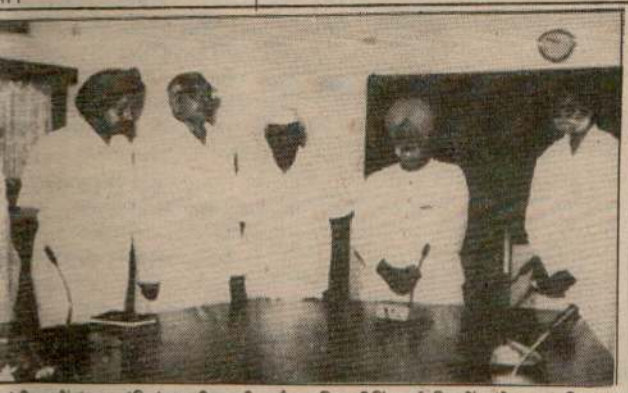

चंडीगढ़ में पंजाब मंत्रिमंडल की पहली अनौपचारिक मीटिंग हुई, जिसमें कांग्रेस (इ) विधायक
की मौत पर दुख व्यक्त किया गया। चित्र में मुख्यमंत्री हरचरण सिंह बराड़, मंत्रिमंडलीय
य सचिव तथा प्रधान सचिव दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि भेंट करते हुए। (छाया : पुरी)

ढ़ बम कांड में घायल पंजाब के विधायक बलदेव सिंह का पी.जी.आई. में निधन हो जाने
रिश्तेदार, शव को एक बक्से में डालकर अस्पताल से बाहर लाते हुए तथा (नीचे) दिवंगत
विधवा तथा अन्य रिश्तेदार शोकाकुल मुद्रा में दिखाई दे रहे हैं। (छाया : पुरी)

चंडीगढ़ बम कांड में घायल विधायक बलदेव सिंह ने भी दम तोड़ा

चंडीगढ़, 11 सितम्बर (राकेश संघी): पक्काकलां हल्का से पंजाब विधानसभा के सदस्य 31 वर्षीय श्री बलदेव सिंह, जो गत 31 अगस्त को यहां के सिविल सचिवालय के वी.आई.पी. गेट पर हुए जबरदस्त बम विस्फोट में बुरी तरह झुलस गए थे, 11 दिन तक पी.जी.आई. में जिंदगी और मौत से जूझते रहने के बाद कल रात 1.40 बजे दम तोड़ गए, जिससे इस बम विस्फोट में मरने वालों की गिनती पंजाब के मुख्यमंत्री बेअंत सिंह तथा मानव बम दिलावर सिंह सहित अब 18 तक पहुंच गई है।

श्री बलदेव सिंह, जिनका जन्म 13 नवम्बर, 1964 को भटिंडा में हुआ था, पंजाब के युवा विधायकों में से एक थे। उनकी मौत का समाचार मिलने पर मुख्यमंत्री हरचरण सिंह बराड़ अपने कैबिनेट मंत्रियों के साथ पी.जी.आई. गए और श्रद्धांजलि भेंट की।

श्री बलदेव सिंह का पी.जी.आई. में ही पोस्टमार्टम करने के बाद उनके शव को अंतिम संस्कार के लिए दोपहर बाद भटिंडा भेज दिया गया। उनकी धर्मपत्नी सुखपिंदर कौर (24) द्वारा इसी हफ्ते बच्चे को जन्म देने की उम्मीद है। अपने पति की मौत का समाचार मिलते ही श्रीमती सुखपिंदर कौर फूट-फूट कर रो पड़ी। यहां तक कि पंजाब के मंत्री डा. केवल कृष्ण, सज्जन कुमार जाखड़, दिलबाग सिंह नवांशहर, सांसद केवल सिंह और संतोख सिंह भी जब पी.जी.आई. पहुंचे तो सुखपिंदर कौर की हालत देख कर उनकी आंखें भी आंसुओं से भर आईं।

श्री बलदेव सिंह के निधन पर पंजाब सरकार ने शोक में अपने सभी कार्यालय आज के लिए बंद कर दिए। श्री बराड़ ने श्री बलदेव सिंह का देहांत हो जाने पर आज दिल्ली रवाना होने से पूर्व पंजाब भवन में अपने मंत्रिमंडल की बैठक भी बुलाई और विधायक की मौत पर गहरा दुःख व्यक्त किया। श्री बराड़ ने श्री बलदेव सिंह के एम.एल.ए. फ्लैट में स्थित आवास पर जा कर उनकी धर्मपत्नी को सांत्वना दी तथा उसे शीघ्र ही उसकी योग्यता के मुताबिक नौकरी प्रदान करने का आश्वासन दिया।

श्री बलदेव सिंह का उपचार कर रहे डाक्टरों ने बताया कि बम विस्फोट में उनका शरीर लगभग 66 प्रतिशत जल गया था। कल दोपहर बाद श्री बलदेव सिंह के गुर्दों ने अचानक काम करना बंद कर दिया, जो उनकी मौत का मुख्य कारण बन गया।

पंजाब विधानसभा के अध्यक्ष हरनाम दास जौहर, पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यवाहक अध्यक्ष हरचरण सिंह हीरो तथा कई अन्य पार्टी नेताओं ने श्री बलदेव सिंह के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री भजन लाल ने भी श्री बलदेव सिंह के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए शोक संतप्त परिवार से हार्दिक संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि उग्रवादियों की देश को कमजोर करने की कार्रवाइयों की जितनी भी निंदा की जाए, वह कम है।

6 लोग उपचाराधीन : बम विस्फोट में घायल हुए 6 व्यक्ति अभी भी पी.जी.आई. तथा जनरल अस्पताल में उपचाराधीन हैं। श्री बेअंत सिंह की सुरक्षा से संबंधित रहे सी.आर.पी.एफ. के एस.पी. श्री डी.के. त्रिपाठी, हरियाणा पुलिस के कांस्टेबल पाला राम तथा एक अन्य सुरक्षा कर्मचारी बीरेंद्र राणा पी.जी.आई. में उपचाराधीन हैं, जबकि जनरल अस्पताल में सी.आर.पी.एफ. के ए.एस.आई. अमर सिंह, पंजाब पुलिस के हैड कांस्टेबल मनमोहन सिंह और पंजाब के मुख्यमंत्री एच.एस. बराड़ के चपड़ासी केसर सिंह का इलाज चल रहा है। इस बीच कांस्टेबल कुलवंत सिंह को आज जनरल अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

मुख्य अभियुक्त अभी भी फरार : बम विस्फोट कांड की जांच में लगे सी.बी.आई. के दल को मुख्य अभियुक्त बलवंत सिंह और जगतार सिंह तारी को पकड़ने के लिए कई जगह छापे मारने के बावजूद अभी तक कोई सफलता नहीं मिली, जिस कारण जांच दल का आगे का काम अब ठप्प-सा पड़ गया है। इस दौरान वह मानव बम दिलावर सिंह की हैदराबाद से डी.एन.ए. रिपोर्ट तथा विस्फोटक विशेषज्ञों की रिपोर्ट मिलने की भी प्रतीक्षा कर रहा है। पंजाब पुलिस के कांस्टेबल बलवंत सिंह की गिरफ्तारी में मदद करने वाले को जांच दल ने 3 लाख रुपए इनाम देने की घोषणा भी कर रखी है, लेकिन दूसरे कथित अभियुक्त का नाम सरकारी तौर पर अभी तक सार्वजनिक नहीं किया गया। इसके लिए यह तथ्य दिया जा रहा है कि अब तक पकड़े गए दोनों युवक पुलिस कांस्टेबल लखविंदर सिंह तथा एक प्राइवेट कंपनी का इंजीनियर गुरमीत सिंह इस अन्य अभियुक्त को केवल राजन या राजेंद्र सिंह के नाम से ही जानते थे। कई उग्रवादियों के फोटो इनको दिखाए जाने के बाद ही यह बात सामने आई है कि कथित राजन का चेहरा जिला रोपड़ के गांव हवाराकलां के रहने वाले बब्बर खालसा से सम्बद्ध युवक जगतार सिंह तारी से मिलता-जुलता है। अभी तक जांच दल को कोई ऐसा ठोस सबूत नहीं मिला, जिसके आधार पर इस कथित अभियुक्त का इस बम विस्फोट कांड में नाम दर्ज किया जा सके।

प्राप्त जानकारी के अनुसार लखविंदर सिंह को जब गिरफ्तार किया गया तो उसके पास से एक कागज मिला था, जिस पर लिखा था—'मैं लम्बे अर्से के लिए कहीं जा रहा हूं।' जांच दल को पहले यह शक था कि यह संदेश लखविंदर सिंह को घटना में वांछित किसी अभियुक्त ने ही भेजा था, लेकिन छानबीन के दौरान लखविंदर सिंह ने बताया कि अगर उसे पकड़ने में एक-आध दिन की देरी हो जाती, तो वह विदेश भागने में कामयाब हो चुका होता। यह संदेश उसने अपनी प्रेमिका, जो कि कांसल गांव में ही रहती

(शेष पृष्ठ 10 पर)

Punjabi Sanatani

वाले दिन लगभग सायं 4.30 बजे बलवंत सिंह को गांव कांसल में ही स्कूटर चलाते हुए और उसके पीछे जगतार सिंह तारी नामक युवक जैसी शक्ल वाले व्यक्ति को बैठे हुए देखा था। दलबीर सिंह मोला नामक युवक ने जांच दल को यह भी बताया कि जब बलवंत सिंह उस दिन लखविंदर सिंह को खोजता हुआ उसके घर आया था तब वह घर पर नहीं था जिस कारण वह उस दिन वापस सचिवालय की ओर लौट गए।

यह जानकारी प्राप्त कर लेने के बाद जब जांच दल ने लखविंदर सिंह से दोबारा पूछताछ शुरू की तो यह पता चला कि विस्फोट के लिए मानव बम के रूप में प्रयोग हुए दिलावर सिंह को कार चलानी नहीं आती थी , इसलिए उसे दिल्ली से खरीदी गई एम्बैसेडर कार में बैठा कर सचिवालय तक पहुंचाया गया। कार को सचिवालय के बाहर कार्यालयों के वाहनों के लिए पार्किंग स्थल पर इसलिए खड़ा रखा गया कि यदि विस्फोट कामयाब न हो सका तो दिलावर को उसी कार में आसानी से वहां से वापस लाया जा सके। योजना में यह भी फैसला किया गया था कि अगर मानव बम विस्फोट कामयाब हो जाता है तो उस कार को सचिवालय से बाहर लखविंदर सिंह लेकर आएगा लेकिन लखविंदर सिंह उस दिन बुखार से ग्रस्त था और वह यह काम पूरा करने से घबरा गया और निर्धारित समय के मुताबिक 4 बजे सचिवालय नहीं पहुंचा। मुमकिन है कि बलवंत सिंह अपने स्कूटर पर सचिवालय के बिल्कुल पीछे स्थित गांव कांसल में लखविंदर सिंह को बुलाने उसके घर गया हो। कार की चाबी को उसके इग्निशन में इसलिए भी लगा हुआ छोड़ा गया था ताकि लखविंदर सिंह उसे सचिवालय से बाहर ला सके।

योजना बनाते वक्त यह तर्क दिया गया था कि विस्फोट होने के बाद सचिवालय के बाहर वाहनों की जांच-पड़ताल के लिए बने गेट्स बंद हो सकते हैं और छानबीन के बाद ही वहां से वाहन निकालने दिए जाएंगे। इसलिए लखविंदर सिंह वहां कार्यरत लोगों का कुछ परिचित होने और पुलिस वर्दी में होने का फायदा उठा कर आसानी से वहां से निकल सकता है। घटना के बाद लखविंदर सिंह वहां नहीं पहुंचा, इसलिए कार वहीं पार्किंग स्थल पर खड़ी रह गई। यह कार ही बाद में घटना में संलिप्त अभियुक्तों का पता लगाने में कारगर सिद्ध हुई।

जांच दल को यह भी पता चला है कि घटना के दो दिन बाद लखविंदर सिंह ने गुरमीत सिंह से सम्पर्क करके उससे बलवंत सिंह के साथ मुलाकात करने की इच्छा जाहिर की थी ताकि उसे यह बताया जा सके कि योजना के अनुसार कार को पार्किंग स्थल से बाहर लाने की लगाई गई ड्यूटी को वह निभा नहीं सका। गुरमीत सिंह की गिरफ्तारी से पूर्व उसी दिन सुबह के वक्त जब बलवंत सिंह ने टैलीफोन पर उसके साथ सम्पर्क किया था तो उसे लखविंदर सिंह की मुलाकात करने की इच्छा बता दी गई थी। लेकिन बलवंत सिंह ने यह जवाब दिया कि जब वह अपनी ड्यूटी निभा ही नहीं पाया तो फिर उससे मिलने की क्या जरूरत है। वह खुद दो दिन बाद चंडीगढ़ आ कर इस संबंध में बातचीत करेगा।

इसी दौरान पुलिस की ओर से लावारिस मिली

दूसरे 'मानव-बम' के लिए तैयार करवाई गई बैल्ट बलवंत सिंह के स्कूटर की डिक्की से बरामद

चंडीगढ़, 12 सितम्बर (राकेश संधी): पंजाब के मुख्यमंत्री श्री बेअंत सिंह की बम विस्फोट में हुई हत्या के 12 दिन बाद भी इस घटना के मुख्य अभियुक्त पंजाब पुलिस के कांस्टेबल बलवंत सिंह को गिरफ्तार कर लेने में जांच दल को अभी कोई विशेष सफलता हाथ नहीं लगी, लेकिन गत सुबह जांच दल को उस वक्त कुछ राहत मिली जब उसे बलवंत सिंह की ओर से दूसरे मानव बम के रूप में प्रयोग होने के लिए तैयार करवाई गई 'बैल्ट' बरामद कर लेने में सफलता मिल गई।

पटियाला से मिली सूचनाओं के अनुसार यह मानव बम बैल्ट बलवंत सिंह के स्कूटर की डिक्की से बरामद हुई है। उसका स्कूटर नम्बर पी.बी.-11-1955 पटियाला के बस अड्डे के पार्किंग स्थल पर खड़ा हुआ मिला। इस पार्किंग स्थल के ठेकेदार ने जांच दल को बताया कि यह स्कूटर 31 अगस्त की रात से ही यहां खड़ा है। जांच दल ने जब इस ठेकेदार को बलवंत सिंह का चित्र दिखाया तो यह बताया गया कि स्कूटर को यहां खड़ा करने वाले युवक का चेहरा चित्र से मिलता-जुलता है।

जानकार सूत्रों के अनुसार स्कूटर की डिक्की से जो मानव बम बैल्ट बरामद हुई है वह आर्मी रंग के कपड़े की बनी हुई है। लगभग 6 इंच चौड़ी इस बैल्ट में विस्फोटक सामग्री भरने के लिए अगली तरफ 2 लंबी पाकेट्स बनी हुई हैं। इन पाकेट्स को बंद करने के लिए उन पर जिप भी लगी हुई है।

बताया जाता है कि बरामद की गई इस मानव बम बैल्ट को इस घटना में गिरफ्तार किए जा चुके इंजीनियर गुरमीत सिंह को यहां दिखाया गया तो उसने यह कबूल किया कि बलवंत सिंह इसी तरह की दो बैल्टें ले कर उसके पास आया था। पहले दो मानव बम बनाए जाने की ही योजना थी जिनमें से एक बैल्ट पंजाब पुलिस के बर्खास्त किए जा चुके कांस्टेबल दिलावर सिंह ने और दूसरी बलवंत सिंह ने पहननी थी, लेकिन जब 28 अगस्त को बम बनाने के लिए विस्फोटक पदार्थों का मिश्रण बनाना शुरू किया गया तो यह महसूस किया गया कि विस्फोटक सामग्री फिलहाल दो मानव बम बनाने के लिए पर्याप्त नहीं है। दूसरी ओर गुरमीत सिंह अपने जीवन में पहली बार ही इस तरह का बम बना रहा था, इसलिए यह फैसला कर लिया गया कि पहले एक बम ही तैयार किया जाए। इसके सफल होने के बाद ही दूसरी बैल्ट को प्रयोग करने की योजना तैयार की जाए।

विस्फोट कांड के वांछित मुख्य अभियुक्त बलवंत सिंह का स्कूटर और मानव बम बैल्ट बरामद हो जाने के बाद जांच दल अब इस नतीजे पर पहुंचा है कि घटना के तुरंत बाद बलवंत सिंह अपने स्कूटर को वहां के बस अड्डे पर खड़ा कर कहीं और चला गया। बम विस्फोट सचिवालय के मुख्य द्वार पर सायं लगभग 5.10 बजे हुआ था जबकि यह स्कूटर पटियाला के बस स्टैंड पर सायं 7 बजे के करीब पार्क किया गया।

बलवंत सिंह के स्कूटर पर चंडीगढ़ से पटियाला तक जाने की राय बनाए जाने के बारे पूछताछ किए जाने पर यह बताया गया है कि वहां के गांव कांसल के एक युवक, जो कि घटना में गिरफ्तार किए जा चुके पुलिस कांस्टेबल लखविंदर सिंह का दोस्त है, ने पूछताछ के दौरान यह बताया था कि उसने घटना

(शेष पृष्ठ 12 पर)

Punjab Spectator

ही न्यायिक हिरासत में भेजा जाए। इस पर श्री धवन ने नवजोत सिंह को 30 सितम्बर तक के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

इसी बीच पता चला है कि जांच दल ने आज फिर नवजोत सिंह के मोहाली स्थित निवास पर छापा मारा और वहां से कुछ अन्य सामग्री बरामद की, जिसमें भारी मात्रा में 'अश्लील' चित्र व किताबें भी शामिल हैं। घर में विस्फोटक सामग्री छिपी होने की आशंका से खोजी कुत्तों की भी मदद ली गई। इस मकान पर पुलिस का इतना जबरदस्त पहरा है कि न तो बाहर से किसी को अंदर जाने दिया जा रहा है और न ही घर के किसी सदस्य को किसी बाहरी व्यक्ति से बातचीत करने दी जा रही है। नवजोत सिंह के घर से बरामद हो रही सामग्री के बारे जांच दल चुप्पी साधे हुए है।

कुराली के निकट स्थित गांव चिंगड़ा कलां के एक घर से भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद होने की सूचना मिलने पर जब आज दोपहर कुछ पत्रकार व फोटोग्राफर इस गांव में गए तो वहां पूरी तरह खामोशी-सी छाई हुई थी। जांच दल की ओर से गत दिवस इस गांव में कर्फ्यू लगा कर ली गई तलाशी से लोग इतने भयभीत थे कि कोई भी किसी तरह की जानकारी देने के लिए तैयार ही नहीं हुआ। जब किसी तरह इस घर का पता लगा लिया गया जहां से विस्फोटक सामग्री बरामद हुई थी तो वहां अंदर दाखिल होते ही हिरासत में ली गई युवती हरप्रीत कौर की माता अवतार कौर व दादी ने हमें पुलिस के लोग ही समझ कर हाथ जोड़ने शुरू कर दिए और यह विनती करनी शुरू कर दी कि हम बेकसूर लोग हैं, हम पर रहम करो। घर की तलाशी लेने के कारण कमरों में सारा सामान इधर-उधर बिखरा हुआ था। वह बार-बार यही पूछती रहीं कि क्या हम अब अपना बिखरा हुआ सामान समेट सकते हैं। इसका जब उन्हें कोई संतोषजनक उत्तर न मिला तो अवतार कौर की आंखों से आंसू छलक आए।

उसे कुछ ढाढ़स बंधाने पर उसने बताया कि लगभग 25 दिन पूर्व जगतारा नामक युवक, जिससे हमारा कोई विशेष परिचय नहीं था, हमारे घर आया और एक थैला हमारे तूड़ी वाले कमरे में रख गया। इस थैले में राख जैसी कुछ वस्तु थी। वह जाते वक्त यह धमकी दे गया था कि अगर इस थैले के बारे किसी को कुछ बताया गया तो इसका परिणाम अच्छा नहीं होगा। गत दिवस भारी संख्या में पुलिस कर्मियों ने पूरे गांव को घेर लिया और कमरे में पड़ी तूड़ी बाहर निकाल कर राख वाले थैले, एक साइकिल और मेरे परिवार के सदस्यों के चित्रों सहित मेरी बेटी व पति को अपने साथ ले गए। हमें तो अभी तक नहीं पता कि यह मामला क्या है। पुलिस हरप्रीत कौर के एकमात्र भाई के बारे भी पूछताछ कर रही है जो छापे के वक्त घर पर नहीं था।

दूसरी ओर छानबीन के दौरान जांच दल को पता चला कि हरप्रीत कौर साइकिल पर विस्फोटक सामग्री एक से दूसरे स्थान पर पहुंचाने और उसे अपने घर पर छिपाने में आतंकवादियों की मदद करती रही है। जांच दल को मोहाली के फेज-7 में

बेअंत हत्याकांड : जांच दल ने ऐसे पकड़ा युवती और उसके पिता को विस्फोटक सामग्री सहित

चंडीगढ़, 19 सितम्बर (संघी) : बेअंत सिंह हत्याकांड की जांच कर रही सी.बी.आई. टीम ने अंतत: इस संबंध में एक 18 वर्षीया युवती हरप्रीत कौर और उसके पिता नसीब सिंह को विस्फोटक सामग्री अपने घर पर छुपा कर रखने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है।

सुविज्ञ सूत्रों के अनुसार इस कांड में गिरफ्तार युवक जगतार सिंह तारा ने पूछताछ के दौरान जांच दल को बताया था कि काफी मात्रा में विस्फोटक सामग्री जिला रोपड़ में कुराली के निकट गांव चिंगड़ा कलां के एक घर में रखी है। वह उस घर में रहने वाली एक युवती को मात्र शक्ल से पहचानता है।

उक्त सूचना मिलने पर जांच दल ने पंजाब पुलिस की मदद से कल प्रात: ही पूरे गांव को घेर लिया। किसी बाहरी आदमी को गांव में घुसने नहीं दिया गया और न ही गांव में रहने वाले किसी व्यक्ति को घर से बाहर निकलने दिया गया।

गांव को घेर लेने के बाद पुलिस ने इस गांव में रहने वाली 20 साल के आस-पास की सभी युवतियों को एक जगह इकट्ठा कर जगतार सिंह तारा के सामने पेश किया। तारा ने इनमें से हरप्रीत कौर को पहचान लिया जिस पर जांच दल ने युवती के घर पर छापा मार कर वहां से विस्फोटक सामग्री से भरा बैग बरामद कर लिया। यह बैग घर के 'तूड़ी वाले कोठे' में छिपा कर रखा हुआ था। तारा के सामने गांव की युवतियों की शिनाख्त परेड में हरप्रीत कौर की पहचान किए जाने और बाद में उसके घर से भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद हो जाने पर जांच दल ने कुछ राहत की सांस ली। पुलिस क्षेत्रों में पकड़ी गई विस्फोटक सामग्री को जांच दल की एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

Punjabi Sanatani

'मानव बम' बनाने में इस्तेमाल आर. डी. एक्स. का शेष भाग चिंगड़ा कलां से बरामद

विस्फोटक सामग्री एक से दूसरे स्थान तक ले जाने वाली युवती गिरफ्तार, नवजोत के घर से अश्लील चित्र मिले

लखविन्दर और गुरमीत न्यायिक हिरासत में भेजे गए

कुराली, 19 सितम्बर (राकेश संघी) : पंजाब के मुख्यमंत्री श्री बेअंत सिंह की बम विस्फोट में हुई हत्या के मामले में छानबीन कर रही सी. बी. आई. की टीम को अभी तक मामले में वांछित दो मुख्य अभियुक्तों बब्बर खालसा से संबंधित जगतार सिंह हवारा व पंजाब पुलिस के कांस्टेबल बलवंत सिंह को गिरफ्तार करने में कोई सफलता हाथ नहीं लगी लेकिन जांच दल ने गत रात्रि यहां के गांव चिंगड़ा कलां के एक घर पर छापा मार कर वहां से भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद करने में सफलता प्राप्त की। जानकार सूत्रों के अनुसार पुलिस ने इस मामले में दिल्ली में गिरफ्तार किए गए जगतार सिंह तारा नामक युवक से की गई पूछताछ के बाद ही जिला रोपड़ के उक्त गांव में छापा मारा और वहां के एक घर में तूड़ी वाले कोठे में छुपा कर रखा गया एक थैला बरामद किया। इस थैले में आर. डी. एक्स. नामक विस्फोटक सामग्री थी जिसका वजन करीब 15 किलो बताया जाता है। छानबीन के दौरान पता चला है कि श्री बेअंत सिंह की हत्या के लिए मानव बम तैयार करने में इसी विस्फोटक सामग्री के हिस्से को प्रयोग में लाया गया। जांच दल ने विस्फोटक सामग्री बरामद कर लेने के बाद वहां रहने वाली एक 18 वर्षीया युवती हरप्रीत कौर, उसके पिता नसीब सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है। इन दोनों को जिला रोपड़ की अदालत में पेश किया जाएगा।

इसी बीच जांच दल ने मोहाली के फेज-3 से गत 17 सितम्बर की रात को रैनबैक्सी कम्पनी के नवजोत सिंह नामक जिस कर्मचारी को अपने घरपर विस्फोटक सामग्री व हथियार आदि रखने के आरोप में गिरफ्तार किया था, को आज फिर चीफ ज्यूडीशियल मैजिस्ट्रेट श्री शेखर धवन की अदालत में पेश कर उसे 15 दिन के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिए जाने का अनुरोध किया, जबकि गत दिवस उसका अदालत से 23 सितम्बर तक का पुलिस रिमांड लिया गया था। बताया जाता है कि नवजोत सिंह ने एक दिन पुलिस रिमांड में रहने के बावजूद भी जांच दल के सामने मुंह नहीं खोला और वह अपने बीमार होने की बात दोहराता रहा। जांच में उसकी ओर से कोई सहयोग न दिए जाने पर उसे न्यायिक हिरासत में भेज देना ही उचित समझा गया। श्री धवन ने इस युवक के वकीलों की ओर से मैडीकल चैकअप की रिपोर्ट की कापी दिए जाने की मांग को लेकर दायर की गई याचिका पर सी. बी. आई. को कल 20 सितम्बर तक के लिए नोटिस जारी कर दिया। इन युवकों के वकीलों ने एक ओर याचिका दायर कर सी. बी. आई. की ओर से अदालत में जगतार सिंह तारा के दिल्ली की एक अदालत से लिए गए पुलिस रिमांड के बारे सीलबंद लिफाफे में दिए गए कागजात की जांच-पड़ताल करने की मंजूरी देने की भी मांग की। इस याचिका पर श्री धवन ने सी. बी. आई. को कल तक अपना जवाब दायर करने के निर्देश जारी कर दिए।

नवजोत सिंह उर्फ दूनो को 6 दिन की बजाय एक दिन बाद ही पुलिस रिमांड से न्यायिक हिरासत में भेज दिए जाने के बारे सी. बी. आई. की ओर से पेश हुए वकील श्री एच. एस. ओबराय ने कहा कि चूंकि यह युवक जांच में कोई सहयोग नहीं दे रहा, इसलिए बेशक अब उसे पुलिस रिमांड समाप्त होने के पहले

(शेष पृष्ठ 14 पर)

(बाएं से) बेअंत सिंह हत्याकांड के सिलसिले में रोपड़ जिले के गांव चिंगड़ां कलां से गिरफ्तार नसीब सिंह और उसकी बेटी हरप्रीत कौर। हरप्रीत की मां अपनी बेटी के लिए अरदास करती हुई। (छाया : पुरी)

(बाएं से) चिंगड़ां कलां में मकान का तूड़ी वाला कोठा, जहां से 15 किलो आर.डी.एक्स. विस्फोटक बरामद किया गया। हरप्रीत के घर का बाहरी दृश्य। (छाया : पुरी)

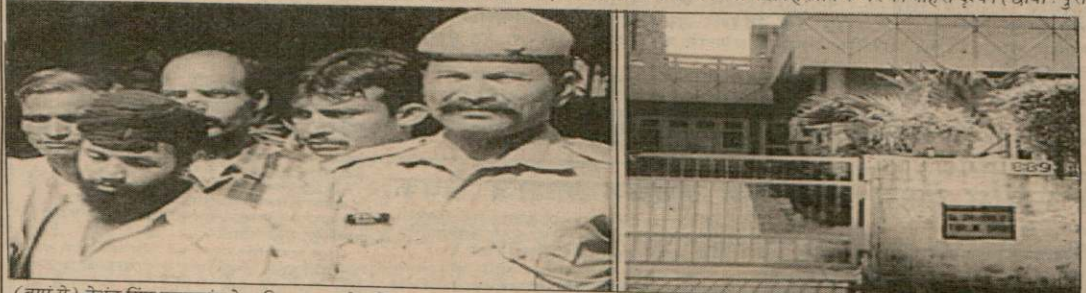

(बाएं से) बेअंत सिंह हत्याकांड के अभियुक्त नवजोत सिंह (पगड़ी पहने हुए) को चंडीगढ़ की अदालत में मंगलवार को पेश करने के लिए ले जाते हुए पुलिस कर्मी। नवजोत के मोहाली स्थित घर का बाहर का दृश्य। (छाया : पुरी)

...म को बेच दिए जाएंगे

'पावर आफ अटॉर्नी' मिली हुई थी, को विभिन्न

बबलू श्रीवास्तव का न्यायिक रिमांड बढ़ा : वक्त आने पर कइयों की कलई खोलेगा

कानपुर, 19 सितम्बर (वार्ता):

Punjabi Sanatani

दिए।

जब वकीलों ने तारा से मुलाकात करने का अलग-अलग समय मांगा, तो सी.बी.आई. के वकील ने इस अनुरोध का विरोध करते हुए कहा कि पहले तारा से यह पूछा जाना चाहिए कि वह इन वकीलों से मिलने का इच्छुक है भी या नहीं। लेकिन दूसरे वकीलों ने तर्क दिया कि संविधान में गिरफ्तार होने वाले किसी भी व्यक्ति को अपने वकील से बातचीत करने का पूरा अधिकार है। इसलिए उन्हें समय मिलना ही चाहिए।

इस दौरान पत्रकारों को भी जगतार सिंह तारा से बातचीत करने का मौका मिल गया। इस बातचीत के दौरान तारा ने कहा कि न तो सी.बी.आई. ने उसके सामने इस केस में वायदा माफ गवाह की पेशकश की है और न ही मैंने कोई ऐसी बात कबूल की है। पुलिस रिमांड के दौरान उसके साथ कोई बुरा सलूक नहीं किया गया। अधिकतर सवालों का जवाब वह हां या न में ही देता रहा। पंजाब पुलिस की ओर से बार-बार मना करते रहने के कारण वह कोई बात स्पष्ट नहीं कर सका।

जबकि दूसरी ओर पता चला है कि पटियाला के स्पैशल मैजिस्ट्रेट के सामने कलमबद्ध करवाए गए हल्फिया बयान में जगतार सिंह तारा ने यह कबूल किया है कि वह बम विस्फोट कांड के मुख्य अभियुक्त जगतार सिंह हवारा के साथ घूमता रहा है। विस्फोट वाले दिन घटनास्थल से मिली लावारिस एम्बैसेडर कार को वह ही खरीदने गया था। इसी कार में वह हवारा के साथ पहले पटियाला और फिर जिला रोपड़ गया था। प्राप्त सूचनाओं के मुताबिक तारा ने यह भी कबूल किया है कि मानव बम के रूप में पंजाब पुलिस के बर्खास्त कांस्टेबल दिलावर सिंह का प्रयोग किया गया था, जबकि कमर पर बांधने वाली बैल्ट में विस्फोट भर कर मोहाली के रहने वाले गुरमीत सिंह ने ही बम तैयार किया था। घटनास्थल से विस्फोट के बाद कार को हटाने की जिम्मेदारी लखविन्द्र व बलविन्द्र सिंह को सौंपी गई थी लेकिन इस बारे वह कुछ नहीं कह सकता कि दोनों घटनास्थल के पास से कार हटाने में नाकामयाब क्यों रह गए।

तारा के दर्ज हुए हल्फिया बयान और उसमें अपना अपराध कबूल कर लेने पर विधि विशेषज्ञों की यह धारणा बन गई है कि सी.बी.आई. इस मामले में तारा को वायदा माफ गवाह बना सकती है। इस पर उसे रजामंद करने के लिए उसका हल्फिया बयान एक हथियार बन सकता है। इस केस में अब तक जिन 5 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, उनमें से तारा के ही हल्फिया बयान दर्ज हुए हैं। गिरफ्तार किए गए इन पांच में से चार व्यक्तियों- जगतार सिंह तारा, लखविन्द्र सिंह, गुरमीत सिंह व नवजोत सिंह को अब 30 सितम्बर को उनका न्यायिक रिमांड बढ़ाने के लिए कोर्ट में पेश किया जाएगा, जबकि विस्फोटक सामग्री अपने घर में छिपा कर रखने के आरोप में जिला रोपड़ के गांव छिंगरा कलां से गिरफ्तार किए गए नसीब सिंह को 3 अक्तूबर को न्यायिक रिमांड बढ़ाने के लिए कोर्ट में पेश किया जाना है। बम विस्फोट कांड की जांच का कार्य अब इस मामले में वांछित 3 अन्य अभियुक्तों जगतार

जगतार सिंह तारा ने बेअंत सिंह की हत्या के लिए बम विस्फोट की साजिश रचने में अपनी संलिप्तता स्वीकारी

चंडीगढ़, 24 सितम्बर (राकेश सघी): बब्बर खालसा से संबंधित युवक जगतार सिंह तारा, जिसे सी.बी.आई. ने गत 13 सितम्बर को दिल्ली के सफदरजंग एंक्लेव इलाके से गिरफ्तार किया था, ने पंजाब के मुख्यमंत्री श्री बेअंत सिंह की हत्या के लिए बम विस्फोट की साजिश रचने वालों में शामिल होने का अपना अपराध कबूल कर लिया है।

प्राप्त समाचारों के मुताबिक दिल्ली में टैक्सी ड्राइवर के रूप में काम करने वाले इस 22 वर्षीय युवक ने पटियाला में सी.बी.आई. के स्पैशल मैजिस्ट्रेट श्री बलबीर सिंह की कोर्ट में गत 22 सितम्बर को इस संबंध में अपना हल्फिया बयान सी.आर.पी.सी. की धारा-164 के तहत दर्ज भी करवा दिया है।

दिल्ली के मैट्रोपोलिटन मैजिस्ट्रेट श्री जी.पी. मित्तल की कोर्ट से इस युवक का 14 सितम्बर को 10 दिन का पुलिस रिमांड लेने के बाद आज जब सी.बी.आई. ने भारी पुलिस सुरक्षा के बीच उसे यहां के डिप्टी मैजिस्ट्रेट जी.आर. बनयाल की अदालत में पेश किया तो सी.बी.आई. के वकील श्री वी.के. शर्मा ने इस बात की तस्दीक की कि जगतार सिंह तारा को इस मामले में वांछित एक अभियुक्त की पहचान करने के लिए दिल्ली से पटना लाया गया था और वहीं 22 सितम्बर को उसे पटियाला के स्पैशल जज

Punjabi Sanatani

श्री बेअंत सिंह हत्याकांड का अभियुक्त जगतार सिंह तारा, जिसे दिल्ली में गिरफ्तार किया गया था, को पुलिस आज चंडीगढ़ में डिप्टी मैजिस्ट्रेट के पास पेश करने के लिए ले जाते हुए। (छाया .पुरी)

के सामने पेश किया गया था। इस युवक का पुलिस रिमांड आज समाप्त होना था लेकिन स्पैशल जज ने 22 सितम्बर को ही उसे न्यायिक हिरासत में भेजने के निर्देश जारी कर उसे 2 दिन तक नाभा जेल में रहने को कह दिया था।

जगतार सिंह तारा को प्रातः 10 बजे ही पटियाला से भारी सुरक्षा के बीच यहां की जिला अदालत में लाया गया, जबकि अदालत की कार्रवाई 2 घंटे बाद शुरू हुई। इस दौरान जिला कोर्ट कम्पलैक्स में चंडीगढ़ पुलिस ने आम आदमी को अंदर नहीं आने दिया। पत्रकारों व प्रेस फोटोग्राफरों सहित वकीलों को भी उनसे पूछताछ करने के बाद ही न्यायालय परिसर में दाखिल होने दिया गया। जगतार सिंह तारा के साथ आई पंजाब पुलिस ने उसे कोर्ट रूम में बैठा दिया। लगभग 11.30 बजे तक किसी को भी कोर्ट रूम में दाखिल होने नहीं दिया गया। यहां तक कि कोर्ट के कर्मचारियों को भी मैजिस्ट्रेट के आने तक बाहर ही रहने को कह दिया गया।

पुलिस की इस कार्रवाई पर गिरफ्तार किए जा रहे युवकों की पैरवी करने के लिए गठित एडवोकेट कमेटी ने सख्त एतराज किया। वकील कोर्ट में दाखिल होने लगे, तो वहां पहरा दे रहे पुलिस कर्मचारियों ने उन्हें भी रोकने का प्रयास किया। इस प्रकार वकील गुस्से में भर आए और कहा कि यह कोई पुलिस स्टेशन नहीं है, जहां तुम वकीलों को आने से रोक सकते हो। यह कोर्ट रूम है। अगर तुम जगतार सिंह तारा से किसी को मिलने नहीं देना चाहते, तो उसे कोर्ट रूम से बाहर ले जाओ। वकीलों के इस रुख को देख कर पुलिस कर्मचारी तारा समेत कोर्ट से बाहर आ गए और वकील लगभग 20 मिनट तक कोर्ट रूम में बैठ कर मैजिस्ट्रेट का इंतजार करते रहे।

ज्यों ही कोर्ट की कार्रवाई शुरू हुई, तो युवकों के वकील अमर सिंह, एन.एस. मिन्हास, भूपेन्द्र सिंह व अशोक चौहान ने डिप्टी मैजिस्ट्रेट श्री बनयाल के सामने भारी तादाद में पंजाब पुलिस के जवानों के कोर्ट में हाजिर होने पर सख्त एतराज किया। इन वकीलों का कहना था कि यह युवक सी.बी.आई. की हिरासत में था, जबकि उसे पेश करने के लिए पंजाब पुलिस यहां आई हुई है। इस एतराज पर सी.बी.आई. के वकील ने स्थिति स्पष्ट की और तारा को पटियाला के स्पैशल मैजिस्ट्रेट के सामने पेश किए जाने का भेद खुल गया।

वकीलों ने श्री बनयाल से अनुरोध किया कि उन्हें 10 मिनट तक जगतार सिंह तारा से पहले बातचीत करने दी जाए। यह अनुरोध मंजूर हो जाने पर वकीलों ने तारा के वकालतनामे पर हस्ताक्षर करवा लिए। लगभग 10 मिनट सुनवाई के बाद श्री बन्याल ने जगतार सिंह तारा को आगामी 30 सितम्बर तक न्यायिक लॉक-अप में भेजने और इस दौरान उसे चंडीगढ़ की बुड़ैल जेल में रहने के निर्देश जारी कर

(शेष पृष्ठ 1 पर)

GLITTERING GOLD
DAZZLING DIAMONDS
PRETTY PEARLS
Exquisitively Designed Jewellery
Excellent Craftsmanship
Gujranwala Jewellers
Bazar Kalan, Jalandhar.
Ph.: 280720, 280224
APPROVED GOLD VALUER
Regd. No. 94-95/ 273/ 135

THE TRIBUNE

115TH YEAR OF PUBLICATION

Read
MBD Books
Based on deep study and Thorough analysis
Best of all... Ahead of all...

Vol. 115 No. 267 City Edition | Chandigarh: Wednesday, September 27, 1995 | Pages 20: Rs 2-00

Let hearts meet

By Hari Jaisingh

THE organisers of the World Sikh Convention, wittingly or unwittingly, have introduced a last-minute sour note in otherwise momentous deliberations at Amritsar. Their decision to honour some of the controversial persons like Sant Jarnail Singh Bhindranwale looks like a well-guarded afterthought to provide a deliberate political twist to the convention. The S.G.P.C. chief, Mr Gurcharan Singh Tohra, and the acting Jathedar of Akal Takht, Prof Manjit Singh, are honourable and respected persons. They should know what is good for the Panth and what is not desirable for the community. The turbulent phase of violent politics which Punjab has gone through ought to make us more dispassionately reflective of the rights and the wrongs so that a new virtuous order based on the teachings of our great Gurus can be evolved. History is much more than a mere record of events. It is not, as Voltaire once said, "a pack of tricks we play upon the dead". It is a medium that monitors and surveys events, appropriately classified and analysed for posterity. The right input from history can make a difference in the quality of decision-making processes in a complex situation.

History also tells us that the politics of gun does not solve problems. It only complicates issues and generates hatred which go against the basic tenets of the Gurus. Terrorism — whether group- or individual-prompted — or counter-terrorism of the state, dehumanises even a brave and dynamic society. We have seen this happening with our own eyes. It is to counter these base human instincts that Guru Nanak spread the gospel of love, compassion and brotherhood. One of his basic tenets lays stress on the concept of forgetting and forgiving. We have to move on to a new path, with fresh ideas of cooperation and brotherhood. The healing process for the wounds of the past has to be the responsibility of everyone. We have always sought justice for the victims of the 1984 riots. The guilty must be severely punished irrespective of one's power or position. But in our search for justice and fairplay, full care has to be taken against the possible distortions in our thought process. This is what our Gurus have taught us. Guru Nanak was a great visionary and humanist. His whole argument is that humanity cannot be divided on the basis of creed, profession, caste, station, sex, colour or nationality. Guru Gobind Singh reiterated the same maxim: *"Deohra masit soee, pooja, nimaz ohi, manas sabhek pai, anek ko parbhoi hai."*

What the followers of the panth need today is soul-searching — not with a view to playing competitive or opportunistic politics of settling scores or of generating mass hysteria. Certain historic opportunities are lost if those at the helm lack a larger perspective of community interests. Settling personal political scores may be good politics for Mr Tohra, but it does not help much in the promotion of the panthic cause or in bringing about unity among people. No good purpose can be served by taking Sikh politics back to square one. Today, Punjab needs not only a meeting of minds but also of hearts. So, any provocative act can become counter-productive for the larger causes dear to us all.

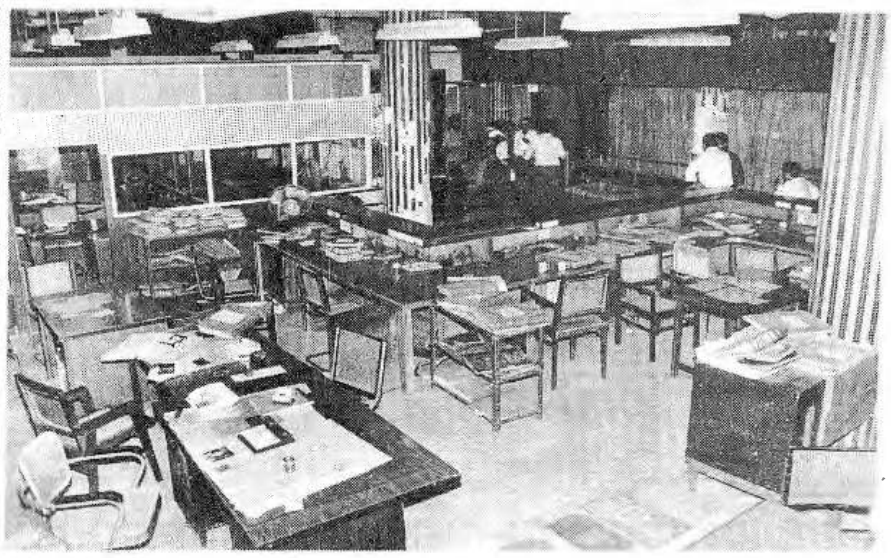

This bank of the city, like all other banks in the region, wears a deserted look on the first day of the bank employees' strike on Tuesday. — A Tribune photograph

7 lakh bankmen strike work

Tribune News Service

NEW DELHI, Sept 26 — Banking operations in the country were today severely affected as about 700,000 bank employees struck work, demanding reconstruction of their pay structure despite the Chief Labour Commissioner's order declaring the strike illegal.

Four major associations decided to go ahead with their two-day strike after their talks with the Indian Banks Association (IBA) for "correction of the existing anomalies in the wage structure between the workmen and the officers" failed yesterday.

Normal banking operations were severely affected in the Capital today as more than 30,000 bank employees struck work demanding restructuring of their pay structure.

Major workmen's unions, including the All-India Bank Employees Association (AIBEA), Bank Employees' Federation of India (BEF), the National Confederation and Bank Employees (NCBE) and the Indian National Bank Employees' Federation (INBEF), had given the strike call for today and tomorrow.

The unions, which are demanding restructuring of the pay-scales of workmen staff by allowing dearness allowance merger of 120 per cent for sub-staff and 115 per cent for clerical staff, ignored the warning of the Chief Labour Commissioner that striking employees would be prosecuted under the Industrial Disputes Act.

The Indian Banks Association (IBA), the apex organisation of 53-member banks, had last evening said that the demand by the unions was in violation of the wage settlement reached at between the two sides and the Industrial Disputes Act in February.

The management group said it had provided for a 10.5 per cent wage increase in the case of both officers and workmen. The union, however, claim that the officers had got more than a 16 per cent hike as against the 10.5 per cent given to workmen.

A BEFI spokesman said: "The fact remains that 8,00,000 workmen have been defrauded by the IBA in the sixth bipartite settlement." Facts were "misrepresented" and figures twisted to allow the officers an increase of 16.5 per cent, he alleged.

The workmen will now hold another meeting here on October 6 to decide the future course of action. The unions warned that if the IBA went ahead with its threat of prosecuting them they would launch an indefinite agitation.

Today's strike was supported by employees of the Insurance sector and the Reserve Bank of India, the spokesman said.

Banking sources said the workmen's strike and their adamant resolve not to yield could perhaps be attributed to the impending Lok Sabha elections. With the various political parties wooing the workers, they had become emboldened, they said.

They pointed out that the employees of Life Insurance Corporation and General Insurance Corporation had also threatened to go on strike later this week. The joint action committee of Accounts and Audit Departments has also served an ultimatum to implement wage parity by December 14.

Most of the branches in the city were, however, open as they were manned by officers. Only important transactions were affected today.

The IBA has claimed that cheque transactions worth Rs 20,000 crore would be affected because of the strike, besides the loss of millions of manhours.

Industry today condemned the frequent strikes by the bank employees, saying that it was totally unwarranted.

The president of the PHD Chamber of Commerce and Industry, Mr R.K. Saboo, said in a statement here that there was no justification for the strike and urged the authorities to take a firm stand on the issue.

He said in the liberalised environment it was essential to keep commitments in international trade and such frequent impediments severely affected exports and industrial and

Continued on page 20 col 3

Another blast in Delhi

NEW DELHI, Sept 26 (PTI) — The Capital was rocked by another blast at a railway crossing today injuring a child even as the Delhi police grappled to check a hoax call in the historic Red Fort area of the walled city.

The bomb, planted in a utensil, exploded at 9.05 a.m. at the Samaipur-Badli railway crossing in north-west Delhi injuring a nine-year-old boy, the police clarified.

Earlier reports said the explosion occurred when a bomb-like object fell from a running train.

"It was aimed at damaging the rail track and disrupting the rail traffic," a police spokesman said adding that the trains were running smoothly.

The injured boy was a resident of the quarters in the neighbourhood and was rushed to the nearby nursing home, he said.

Doctors at the hospital said the boy was given first-aid treatment for minor injuries on hand, foot and back and was discharged immediately.

Explosive experts and senior police officials have rushed to the spot and the police has launched a massive combing operation in the area.

A police spokesman said a call received in the morning claimed the planting of another bomb in the same area of the old city.

"Fire tenders and bomb disposal squads were despatched immediately. But the call turned out to be a hoax," he said.

Nobody has claimed responsibility for today's or yesterday's explosions and the police was yet to arrest anyone in this connection.

Today's explosion in the Capital is the third in the past 14 hours. Last evening, two serial blasts in the Red Fort area near the busy Chandni Chowk are a of the old city wounded at least 46 persons, mostly pedestrians.

The Delhi police was put on a high state of alert and barricades were set up at numerous vantage points to keep a vigil on the passing traffic.

The Union Home Minister, Mr S.B. Chavan, today visited the injured in last night's bomb blast, who are undergoing medical treatment in the hospitals of the Capital.

The doctors attending the injured patients have explained to Mr Chavan the details of medical treatment being provided to the victims, an official statement said.

Mr Chavan also spoke to the injured persons who gave him their direct account of the bomb blast.

Mr Chavan, on the occasion, announced an ex-gratia relief of Rs 10,000 to each of the seriously injured who are under treatment in the hospitals and Rs 5,000 to others injured and admitted to hospitals, the statement said.

Prof M. Kamson, newly appointed Minister of State for Home Affairs, and the Commissioner of Police also accompanied Mr Chavan to the hospitals.

UNI adds: According to prima facie evidence no RDX was used in the blasts though a terrorist hand is evident.

There was a stark difference between the two blasts, while the first one in front of the Red Fort ramparts was a low intensity crude explosive which only threw a big ball of smoke and fire upwards but left no crater, the second blast at the nearby Lothian Bridge intersection was a more powerful bomb and made a crater a few inches deep in the ground, police said.

The two blasts, less than a kilometre apart, occurred within 40 minutes of each other injuring 44 persons. The blasts went off after sunset just as the Navratra celebrations began.

The police raided a number of suspected terrorist hideouts in the city last night. Some persons had been picked up for questioning but no arrests were made. The police raided various guest houses and shady hotels, lodges and inns. Property dealers were questioned about any suspicious movements of new tenants.

The police said the blasts could not have come at a more improper time as the month-long festival had just got underway and thousands of Ramlilas were being organised in all parts of the city every evening.

Meanwhile, the 65,000 strong Delhi police has been put on a state of high alert.

Security officials are also finding ways and means of streamlining the haphazard and virtually unregulated parking lots all over the city.

Chandigarh Weather

The maximum temperature on Tuesday was 34.2° C (93.6° F) and the minimum 22.2° C (72° F).

The maximum relative humidity was 90 per cent and the minimum 43 per cent.

The sun will set on Wednesday at 6.14 and rise on Thursday at 6.15.

OUTLOOK FOR WEDNESDAY: Mainly clear sky.

Dilawar was human bomb: DNA report

By Rajendra Sharma
Tribune News Service

CHANDIGARH, Sept 26 — The deoxyribonucleic acid (DNA) report conducted by a Hyderabad-based laboratory has confirmed that Dilawar Singh acted as human bomb in the assassination of the late Punjab Chief Minister, Beant Singh, outside the Punjab and Haryana Civil Secretariat here on August 31 in a powerful bomb explosion, it is reliably learnt.

This sets at rest all controversies kicked by certain political parties and social organisations that doubted whether Beant Singh was killed by a human bomb. It also proves preposterous the claim of the Babbar Khalsa, a militant outfit, that a bomb was planted in the dicky of the car.

Immediately after taking over the investigation of the case, the C.B.I. had sent the blood of the parents of Dilawar Singh and the blood of the human bomb for DNA test. The DNA report would prove beyond doubt whether the theory propounded by both the Punjab Police chief, Mr K.P.S. Gill, and the C.B.I. that a human bomb killed the CM was true. The local police had also supported the argument put forward by Mr Gill.

A dismissed SPO, Dilawar Singh, was a resident of Patiala (Street No 12, Guru Nanak Nagar). He was attached to an S.P. of the Punjab police.

He is the son of an assistant in Punjabi University, Patiala. Dilawar Singh was without a job.

Chandigarh-based forensic experts had given various arguments in support of the theory of human bomb. First, they pointed out that only the left rear door — the door for the entry of the Chief Minister of the car had been damaged with no damage to the roof, other doors, tyres or for that matter any other part of the car. This

Continued on page 20 col 7

Anand wins ninth game

NEW YORK, Sept 26 (AP) — Chess challenger Viswanathan Anand crushed title holder Garry Kasparov in the ninth game of the Professional Chess Association world championship match to seize the lead 5-4.

The victory, which comes after a record-breaking series of eight draws, ignited interest in the match and opens the possibility that Anand will unseat Kasparov.

Facing an unstoppable phalanx of pawns moving down the board like a steamroller, and with his own counterattack against Anand's king completely blunted, Kasparov, playing black, resigned yesterday after Anand's 35th move.

Details on page 16

Godman 'knows Rao personally'

NEW DELHI, Sept 26 (PTI) — Controversial godman Chandraswami has claimed he has "personal contacts" with the Prime Minister, Mr P.V. Narasimha Rao.

Answering a volley of questions during an interview wih Asianent, telecast last night, the high-flying spiritual leader, however, said he did not help Mr Rao or the former Prime Minister, Mr Chandra Shekhar, put had some personal contacts with them. He also claimed he had good relations with late Rajiv Gandhi.

"It is our duty to show the right path to people who are in politics or who do public service," the self-styled godman said, adding that one should work for the people and their betterment.

Criticising the use of caste, creed and religion in politics, Chandraswami said that there should be one religion for the entire humanity. "If caste, creed and religion is taken into politics it is unfortunate. I am not in favour of it," he said in the interview recorded some time back.

The godman claimed that he has met as many as 120 heads of states. "They come to me to sort out their problems and for mental peace," he said.

Chandraswami claimed to have undertaken a number of relief and rescue operations during natural clamities and other disasters, besides public service activities.

He said his workers swung into action immediately after the Uttarakhand was hit by a devastating earth-quake. Volunteers of "jana shakti vahini" also went to Latur in thousands for rescue operations after the earthquake.

"We have other programmes also for the public. My moto is to help those who need it without taking their religion or caste into consideration," the godman said.

Asked why he did not have any contact with the Gandhi family, Chandraswami claimed he had good relations with late Rajiv Gandhi. "I also had good relations with Mrs Gandhi. I had met her several times," he said.

He said it would take about two years for India to come out of the present problems and then national forces would arise, "I cannot tell about a person. I can tell about a country's future only," he said in reply to a question.

In Passing

Sandeep Joshi

8 hurt in Panipat explosion

CHANDIGARH, Sept 26 (PTI) — Eight persons were injured, two of them seriously, when a bomb exploded at Panipat railway station this afternoon.

Police officials said the blast occurred at 1.30 p.m. when the Amritsar-bound Muri Express was being searched following report of a blast at Badli railway crossing in Delhi.

The injured have been admitted to the Panipat Civil Hospital, while the entire area has been cordoned off.

The Deputy Commissioner of Panipat, Mr Sanjiv Kumar, said the bomb was a "Chinese stick type hand grenade", which was probably abandoned by the carriers after the train and the passengers were subject to a search following a call from the Delhi police.

He said the grenade was picked up by Satish, a 13-year-old boy, and Ravi, a cobbler, pulled out the cap, triggering the blast. "They are seriously injured and have suffered a lot of blood loss," he said.

Vijay of Ahmedabad also saw Satish and Ravi fiddling with the bottle-like object, Mr Sanjiv Kumar said, adding that there appeared to be a pattern behind the series of blasts in Delhi and now in Panipat.

The others injured are Tapan Rai, son of Gehu Rai of Bihar, Sanjay Murari of West Singbhum, Madan Lal of Rohtak, Virender of Panipat and Vinod of Subzi Mandi, Azadpur, Delhi.

"Had it been triggered off by the suspects in the packed compartment, it would have resulted in a large number of casualties," Mr Sanjiv Kumar said.

The Deputy Commissioner said the train, running about 12 hours late, was searched after the passengers were asked to alight following a message from the Additional Commissioner of Police, Delhi, Mr Maxwell Pereira.

"When the train was declared safe, we decided to search the passengers," Mr Sanjiv Kumar said, adding that as the passengers were being frisked, the bomb went off.

A general alert has been sounded in the state and the railway protection police and the railway police have intensified patrolling on the tracks.

Railway officials and the police have warned passengers and rail users to be alert against any abandoned object or suspicious looking persons.

Health Tribune

(Page 19)

- Goitre — Prof R.J. Dash concludes his thyroid discussion
- A five-acre hope: a house of healing is coming up
- What is a complete medical examination?

Other pages

Allah Rakha performs today page 3
Crass commercialisation mars Mall ..... page 8
Opinion
Globalisation: myth and reality by Rajmesh Diwan ..... page 10
News Review
PCC chief disowns Cong conclaves (MP) ..... page 11
World
US Senate says Tibet 'occupied' ..... page 12
Sport
Ferreira, Nalin eliminated in Gold Flake Billiards ..... page 16

Bhatnagar awards for 11 scientists

NEW DELHI, Sept 26 (PTI) — Eleven eminent Indian scientists have been selected for this year's Shanti Swarup Bhatnagar Awards, the highest prize for scientific achievement in the country.

The names of the scientists were announced by Dr R.A. Mashelkar, Director-General of the Council of Scientific and Industrial Research (CSIR), at a function marking the 53rd anniversary of the country's apex scientific research body here today.

The CSIR chief also made public the names of seven budding CSIR scientists who won this year's CSIR Young Scientist Awards.

While scientists from the Indian Institute of Science (IISC) in Bangalore won five Bhatnagar awards, another four went to researchers from Delhi institutes.

Dr Rajendra Bhatia of the Indian Statistical Institute, New Delhi, Dr Kamanio Chatopadhyay and Dr B.N. Goswami of IIS won awards for mathematical sciences, engineering sciences and earth, atmosphere, ocean and planetary sciences. The prizes in areas like physical, chemical, biological and medical sciences were shared by two scientists each.

Each award carries a prize money of Rs 1 lakh and a memento.

Dr Mashelkar said seven up-and-coming young CSIR scientists had cornered this year's Young Scientist Awards given in four areas of science and technology.

These awards, each carrying prize money of Rs 25,000, had been given to budding scientists to promote excellence in various fields of science and technology.

The Young Scientists Awards were given away by Mr Bhuvanesh Chaturvedi, Union Minister of State for Science and Technology, here said.

In addition, Dr Mashelkar said, in the CSIR Technology Awards category, this year only one award was presented. It was won by the National Aeronautical Laboratories (NAL), Bangalore.

The institute received the award which comprises a rolling shield, a plaque, a citation and a grant of Rs 20 lakh to Rs 30 lakh for its outstanding achievements in diverse engineering fields covering composites materials, parallel computing, control systems and specialised surface coatings.

Besides this, three research teams from CSIR institutes will receive this year's technology prizes for their significant contribution to the nation's development.

Other Bhatnagar awardees: Dr Mustansir Barma, TIFR, Bombay, and Dr B. Sriram Shastry, ISC (physical sciences), Dr Chandrasekhar, IISC, and Dr K.L. Sebastian, Cochin University (chemical sciences), Dr S.E. Hasnain, National Institute of Immunology, New Delhi, and Dr K. Muniyappa, IISC (biological sciences) and Dr Subrat Kumar Panda of AIIMS and Dr Anil Tyagi of Delhi University (medical sciences).

Young Scientist Award winners: Dr (Ms) Rina Sharma, NPL, New Delhi, and Dr P.K.Khanna, CEERI, Pilani (physical sciences), Dr M. Bordoloi, RRL, Jorhat (chemical sciences), Dr S. Bandopadhyay, CGRI, Calcutta, and Dr S. Srikanth, NML, Jamshedpur (engineering sciences) and Dr (Ms) C. Mainkyamba and Dr (Ms) K. Srivatsava of NGRI, Hyderabad (earth sciences).

No Young Scientist Award in biological sciences.

Refine your correspondence

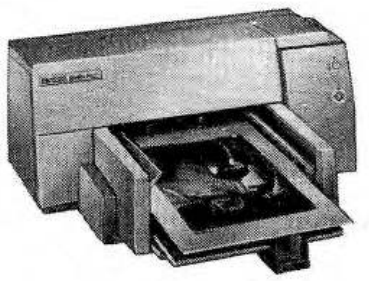

(And if you wish, add some colour, too).

Presenting the most inexpensive way to add value to your communication: the HP Deskjet 600. The smooth 600 dpi deskjet technology will add sharpness, flowing curves and a mark of professionalism to your documents. An economic color option lends rich, blazing colors when required — on plain paper, envelopes and inkjet transparencies. Running costs are well within limits, and all operations are extremely user-friendly. This printer is backed by a 3-year warranty. By the excellent Godrej country-wide service network. So, do call any dealer listed below. You've got nothing to lose, and your correspondence has everything to gain.

HEWLETT PACKARD Also available, the DeskJet 660C and the Apple Mac compatible DeskWriter 600 & 660C printers.

Godrej

Godrej Trading & Services Co. Ltd., Sco: 123-124, Sector 17-C, Chandigarh. Tel: 705945/704328/773238. Fax: 703047. DEALERS: CHANDIGARH: Alfa Electronics. Tel: 605150. LUDHIANA: All India Marketing Services. Tel: 404070 • Computer Systems (India). Tel: 663930/665347. JALANDHAR: Computer Systems. Tel: 251363. SHIMLA: Kawatra's. Tel: 3406/211013. AMRITSAR: Kochar Computers. Tel: 228906. JAMMU: T.S. Techno Services. Tel: 52212. BATHINDA: CT & T Enterprises. Tel: 42374. AMBALA CANTT: Sigma Aida. Tel: 25634. KARNAL: Infotech Computers & Communications. Tel: 255407.

Mudra:GTS:4139:B

पंजाब में उग्रवाद...

(पृष्ठ 3 का शेष)

की मृत्यु हो गई। विवरण की प्रतीक्षा है।

मानसा से नरेन्द्र के अनुसार घटना की खबर से सनसनी फैल गई और शहर में हड़ताल हो गई। अभी तक पुलिस हत्यारों का सुराग नहीं लगा पाई। पता चला है कि हत्यारों ने सन्तोष की पत्नी की हत्या रसोई में दाखिल होकर चाकुओं से की जबकि बच्चो को रस्सी से बांध कर गलो में घसीट कर मार गया।

पुलिस ने स्थानीय धागा मिल में शहीद पुलिस परिवारों को सहायता देने का कार्यक्रम आयोजित किया था और इसका उद्घाटन पंजाब पुलिस चीफ श्री के.पी.एस. गिल को करना था लेकिन अंतिम समय पर उन्होंने अपना कार्यक्रम रद्द कर दिया।

Punjabi Sanatani

आतंकवादियों द्वारा परिवार के चार सदस्यों की हत्या

चंडीगढ़, 19 अक्तूबर (वार्ता): लगभग एक वर्ष के अंतराल के बाद पंजाब में आतंकवादी पुनः सक्रिय हो गए और कल रात एक ही परिवार के चार सदस्यों की हत्या कर दी।

यह नृशंस कांड आतंकवादियों ने मानसा जिले में किया और एक अनाज व्यापारी के परिवार के चार सदस्य मार डाले।

यहां प्राप्त सरकारी सूचनाओं के अनुसार अज्ञात आतंकवादियों के एक गिरोह ने अनाज व्यापारी सतीश कुमार के घर में घुस कर अंधाधुंध गोलियां चलानी शुरू कर दीं, जिससे सतीश कुमार की पत्नी (37), बेटा (6) और दो बेटियां (13 और 9 वर्ष)

(शेष पृष्ठ 14 पर)

Punjabi Sahatan

पटियाला में साइकिल सवार उग्रवादी ने गोलियां चला कर दो को घायल किया

पटियाला, 24 नवम्बर (राजू) : पटियाला के सरकारी राजेन्द्रा अस्पताल के पीछे बड़ुंगर रोड पर एक साइकिल सवार नकाबपोश आतंकवादी ने एक पी.सी.ओ. पर अकारण फायरिंग करके एक युवक अहमद परवेज़ को घायल कर दिया। रात्रि 10 बजे के लगभग हुई इस घटना के समय उक्त युवक फोन करने आया था। एक अन्य व्यक्ति गंगा विष्णु के भी घायल होने की सूचना है।

अहमद परवेज़ के अनुसार उक्त नकाबपोश ने चार गोलियां चलाईं। घटना के समय इस पी.सी.ओ. में तीन व्यक्ति मौजूद थे जबकि श्री विष्णु अपने साथी के साथ घर के बाहर टहल रहे थे।

श्री परवेज़ के अनुसार साइकिल सवार भारी भरकम था तथा घटना के बाद वह आराम से चला गया।

श्री विष्णु की पीठ पर ऊपरी हिस्से में गोली लगी, उनकी हालत चिन्ताजनक बताई जाती है। गोली परवेज़ अहमद की बांह से टकराती हुई निकल गई। दोनों घायलों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

वीरवार रात्रि को हुई इस घटना ने यहां की सुरक्षा व्यवस्था पर प्रश्न-चिन्ह लगा दिया है। घटनास्थल से कुछ दूरी पर एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी की कोठी तथा समीप ही चौक पर एक पुलिस पोस्ट भी है।

उल्लेखनीय है कि यह घटना मुख्यमंत्री बराड़ के पटियाला आगमन से पूर्व हुई है। मुख्यमंत्री के यहां आगमन से पूर्व सुरक्षा एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारियों की पुलिस के साथ पिछले दिनों से बैठकें हो रही हैं जिनमें स्थानीय सुरक्षा व्यवस्था को अधिक मजबूत करने के निर्णय लिए गए।

नगर में चर्चा है कि साइकिल सवार आतंकवादी द्वारा फायरिंग करके चले जाने से सुरक्षा व्यवस्था

पटियाला में एक साइकिल सवार उग्रवादी द्वारा की गई फायरिंग में घायल गंगा विष्णु (छाया : राजू)

ढकोसला साबित हुई है।

तीन का अपहरण : वर्मा के अनुसार आज रात सुनामी गेट क्षेत्र में नीले रंग की मारुति कार में सवार तीन-चार व्यक्तियों ने सैर करने निकले ओमान इंजीनियरिंग वर्क्स के सुरेंद्र कुमार, उसके संबंधी गुरमीत और नौकर चीना का पिस्तौल की नोक पर अपहरण कर लिया।

राव की सोनिया से भेंट

नई दिल्ली, 24 नवम्बर (वार्ता): प्रधानमंत्री पी.वी. नरसिम्हा राव ने कल रात श्रीमती सोनिया गांधी से भेंट कर उन्हें अपने पौत्री की शादी के लिए आमंत्रित किया। कांग्रेस (इ) सूत्रों के अनुसार श्री राव ने श्रीमती सोनिया से 15 मिनट बातचीत की।

8 लोगों का अपहरण

अगरतला, 24 नवम्बर (प.स.): त्रिपुरा में पिछले 24 घंटों के दौरान विभिन्न वारदातों में विपक्षी कांग्रेस (इ) के पांच कार्यकर्त्ताओं सहित आठ व्यक्तियों का अपहरण कर लिया गया और भूमिगत विद्रोहियों ने एक बाज़ार में आग लगा दी।

Punjabi Sanatan

ग्रेवाल

(पृष्ठ 3 का शेष)

पंजाबी को अपनी मातृ-भाषा के रूप में न मानने की गलती को अनुभव करना शुरू कर दिया है तथा इस बात को भी अनुभव करना शुरू कर दिया है कि वह कांग्रेस की 'फूट डालो व राज करो' की उन नीतियों के अंतर्गत शुरू की गई भ्रामक नीतियों के कारण गुमराह हो गए थे, जो उसने अंग्रेजों से सीखीं और जिन्हें उसने स्वतंत्रता के बाद देश में कार्यान्वित करना शुरू कर दिया।

उन्होंने आशा प्रकट की कि पंजाबियत की भावना सारे प्रदेश में व्यापक रूप से प्रभावी होगी। यही एकमात्र तरीका है, जिससे पंजाब को 'कांग्रेस तथा साम्प्रदायिकता' से बचाया जा सकता है।

Punjab Sanatan

भजन लाल और गिल सहित बड़े लोगों की हत्या का षड्यंत्र बेनकाब

● मुठभेड़ में सिपाही मरा, ए. एस. आई. घायल – आतंकवादी ट्रैक्टर-ट्राली छोड़ कर भागे ● 16 किलो आर. डी. एक्स., 2 मानव बम जैकेट, 41 मी. तार व डायरी बरामद

अम्बाला के निकटवर्ती गांव मठहेड़ी शेखां के निकट उग्रवादियों के हमले में (बाएं) मारा गया कांस्टेबल विजय भान (मध्य) इस हमले में घायल हुआ ए.एस.आई. महेन्द्र सिंह व (दाएं) उग्रवादियों द्वारा छोड़ी गई ट्रैक्टर-ट्राली से बरामद आर.डी.एक्स., 'मानव बम' हेतु प्रयोग होने वाली दो जैकटें व अन्य विस्फोटक उपकरण। (छाया : रमेश)

अम्बाला, 15 दिसम्बर (वार्ता, शर्मा, रवि, कोहली): हरियाणा पुलिस ने राज्य के मुख्यमंत्री श्री भजन लाल, पंजाब पुलिस के प्रमुख श्री के.पी.एस. गिल व अन्य अति महत्वपूर्ण व्यक्तियों की हत्या के षड्यंत्र का भंडाफोड़ करने में सफलता हासिल की है।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार गत रात यहां से 12 किलोमीटर दूर मठहेड़ी शेखां गांव के निकट हुई मुठभेड़ के बाद उग्रवादियों द्वारा घटनास्थल पर छोड़ी गई ट्रैक्टर-ट्राली से 16 किलोग्राम आर.डी. एक्स, 'मानव बम' हेतु प्रयोग होने वाली दो जैकेटें, पी.ई.टी.एन. तार के दो बंडल, कुछ डैटोनेटर बरामद किए गए हैं। सूत्रों के मुताबिक ट्रैक्टर ट्राली पर सवार चार उग्रवादियों ने पुलिस पार्टी पर उस समय गोली चलाई जब उन्हें ललकारा गया। उग्रवादियों की गोली से पुलिस जवान विजय भान मारा गया, जबकि सहायक उपनिरीक्षक महेन्द्र सिंह गंभीर रूप से घायल हो गया। सहायक उपनिरीक्षक ने अपने रिवाल्वर से जवाबी फायरिंग की, जिस पर उग्रवादी ट्रैक्टर-ट्राली को छोड़ कर अंधेरे का लाभ उठाते हुए भाग निकले।

बाद में तलाशी के दौरान पुआल के नीचे छिपाया गया आर.डी. एक्स व अन्य चीजें बरामद की गईं। पुलिस को क्षेत्र के लोगों से की गई प्रारंभिक पूछताछ से पता चला है कि इस मुठभेड़ में गांव मठहेड़ी शेखां के अखंड कीर्तनी जत्थे के एक सदस्य के अलावा बब्बर खालसा के तीन उग्रवादी भी शामिल हैं। बब्बर खालसा के दो उग्रवादी दिल्ली के रहने वाले हैं तथा एक पंजाब के ज़िला रोपड़ का है तथा वह बेअंत सिंह हत्याकांड में अपराधी घोषित किया जा चुका है।

उग्रवादियों के गुप्त अड्डे पर मारे गए छापे में पुलिस द्वारा 30 बोर के दो पिस्तौल, 15 जीवित कारतूस, दो कृपाणें व 25 हजार रुपए नकद बरामद किए जाने की भी जानकारी मिली है। पुलिस ने उग्रवादियों को दबोचने के लिए सतर्कता बढ़ा दी है।

सूत्रों का कहना है कि समय पर ट्रैक्टर को रोकने तथा भारी परिमाण में विस्फोटक सामग्री की बरामदगी और अम्बाला में उग्रवादियों के गुप्त अड्डे की पहचान से बहुत बड़ा हादसा टल गया है। महेन्द्र सिंह को उपचार हेतु अम्बाला में भर्ती किया गया है। बताया जाता है कि उसके बाजू में दो गोलियां लगी हैं। उल्लेखनीय है कि इस क्षेत्र में ऐसे दूसरे षड्यंत्र का भंडाफोड़ हुआ है। इससे पूर्व गत बुधवार को पंजाब में लुधियाना जिले से सर्बजीत सिंह नामक व्यक्ति की गिरफ्तारी से पंजाब के मुख्यमंत्री श्री एच.एस. बराड़ व पुलिस चीफ श्री के.पी.एस. गिल की हत्या के षड्यंत्र का भंडाफोड़ हुआ था। इससे भी आर.डी.एक्स. व अन्य अत्याधुनिक शस्त्रास्त्र मिले थे।

आज हमला करने की योजना थी : इस बीच हरियाणा के अपर पुलिस महानिदेशक (कानून-व्यवस्था) श्री वाई. हरिशंकर ने एक पत्रकार सम्मेलन में बताया है कि बरामद किया गया आर.डी.एक्स. पाक निर्मित है। मानव बम हेतु प्रयोग होने वाली जैकेटें भी विदेशी हैं। उन्होंने बताया कि कल 16 दिसम्बर को मुख्यमंत्री श्री भजन लाल पर उस समय घातक हमला करने की उग्रवादियों की योजना थी जब उन्होंने पिहोवा में जनसभा को सम्बोधित करने जाना था। यह हमला मानव बम की मदद से या अन्य तरीके से विस्फोट करके अम्बाला के आसपास कहीं किया जाना था।

उन्होंने बताया कि इस संबंध में उग्रवादियों द्वारा तैयार किए गए नक्शे भी बरामद किए गए हैं। पुलिस दल दिल्ली व पंजाब रवाना कर दिए गए हैं।

श्री हरिशंकर के अनुसार इस भिड़ंत में पांच व्यक्तियों के शामिल होने का संदेह है। एक पंजाब के जिला रोपड़ का परमजीत सिंह है, जो बेअंत सिंह हत्याकांड में सी.बी.आई. को वांछित है। एक अन्य मठहेड़ी शेखां का पुरुशोत्तम सिंह पुत्र मालक सिंह है। तीन अन्यों में दो केशधारी व एक क्लीनशेवन है।

उक्त वारदात के उपरांत सूचना मिलते ही डी.आई.जी. रंजीव दलाल, पुलिस अधीक्षक बलजीत सिंह, ए.एस.पी. बलबीर सिंह तथा डी.एस.पी. करण सिंह पुलिस बल सहित मौका पर पहुंच गए थे।

मृतक सिपाही जिला होशियारपुर (पंजाब) के बलाचौर का रहने वाला है तथा घायल ए.एस.आई. जिला हिसार का निवासी है। मृतक सिपाही के परिवार को दो लाख रुपए मुआवजा, उसकी पत्नी को इसकी रिटायरमैंट की आयु तक का पूरा वेतन तथा पत्नी को नौकरी दिए जाने की घोषणा श्री हरिशंकर ने की।

उन्होंने कहा कि इस संदर्भ में पूछताछ हेतु कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है। उन्होंने संदेह व्यक्त किया कि कुछ उग्रवादियों ने 'मानव चौक' अम्बाला के निकट अपने ठिकाने स्थापित किए हुए हैं। संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने बताया कि यह घोषणा पहले से ही की जा चुकी है कि जब भी कोई मकान मालिक अपना मकान किराए पर दे तो उसकी सूचना पुलिस को दे।

(शेष पृष्ठ 14 पर)

Punjabi Sanatani

लुधियाना में बम विस्फोट

(पृष्ठ 3 का शेष)

क्या हो गया। धमाके से वहां पड़े लाटरी काऊंटर व अन्य सामान इधर-उधर बिखर गया तथा जमीन पर खून के धब्बे फैल गए। इस घटना के प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार इस धमाके की आवाज काफी दूर तक सुनी गई।

उल्लेखनीय है कि गुरु तेग बहादुर मार्केट लाटरी की मुख्य मंडी तो है ही, इस मार्केट में जालंधर के पंजाब केसरी व अजीत अखबारों के एजैंटों के कार्यालय भी हैं। बताया जाता है कि इस मार्केट में हुआ यह चौथा बम धमाका है। घायलों में ज्यादातर लाटरी बेचने व खरीदने वाले ही बताए जाते हैं। आज हुए बम धमाके के बाद पुलिस ने पूरे क्षेत्र को घेर लिया तथा सारी मार्केट बंद हो गई।

गंभीरता से नहीं लिया : स्मरण रहे कि मुख्यमंत्री श्री बेअंत सिंह की हत्या के बम कांड से पहले भीड़ इसी प्रकार का एक बम विस्फोट लुधियाना जी.टी. रोड पर हुआ था। लेकिन पुलिस ने इस घटना को गंभीरता से नहीं लिया था। आज भी पुलिस इतनी सतर्क नहीं थी। घटनास्थल पर हर रोज पुलिस कर्मचारियों की ड्यूटी होती है परंतु वहां आसपास कोई पुलिस कर्मचारी नहीं था।

सी.एम.सी. अस्पताल में घायलों के बारे पूछने उनके रिश्तेदार जब अस्पताल में पहुंचे तो वहां भी मौजूद पुलिस वालों का व्यवहार ठीक नहीं था। पंजाब युवा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता श्री परमिंद्र मेहता अपने साथियों सहित अस्पताल में घायलों की सहायता के लिए पहुंचे। श्री मेहता ने बम कांड की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए कहा कि गुप्तचर विभाग द्वारा बार-बार लुधियाना में बम धमाके व उग्रवादी की वारदातें होनी खबरें देने के बाद भी पुलिस चुस्त न हो सकी। लुधियाना के विधायक श्री राकेश पांडे ने चंडीगढ़ से बम कांड की जोरदार निंदा की है। जिलाधीश श्री अरुण गोयल ने घोषणा की है कि घायलों के उपचार का सारा खर्च जिला रैडक्रास की तरफ से दिया जाएगा। बम कांड के बाद पूरे जिले में रैड अलर्ट कर दिया गया है। चौराहों पर जोर-शोर से चैकिंग शुरू की गई है, जिससे आम जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

बम विस्फोट की मुख्यमंत्री द्वारा कड़ी निंदा : चंडीगढ़ : पंजाब के मुख्यमंत्री श्री हरचरण सिंह बराड़ ने आज लुधियाना में घंटाघर चौक पर हुए बम विस्फोट जिसमें 20 से भी अधिक लोग मारे गए हैं, की कड़ी निंदा की है। उन्होंने इसे एक बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण एवं कायरतापूर्ण कार्य बताते हुए कहा कि लोकतंत्र में हिंसा के लिए कोई स्थान नहीं होना चाहिए और इसकी सभी को निंदा करनी चाहिए। उन्होंने कानून एवं व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा के लिए एक उच्चस्तरीय बैठक बुलाई और राज्य प्रशासन को घायलों को तुरंत चिकित्सा सहायता एवं अन्य सुविधाएं देने के आदेश दिए।

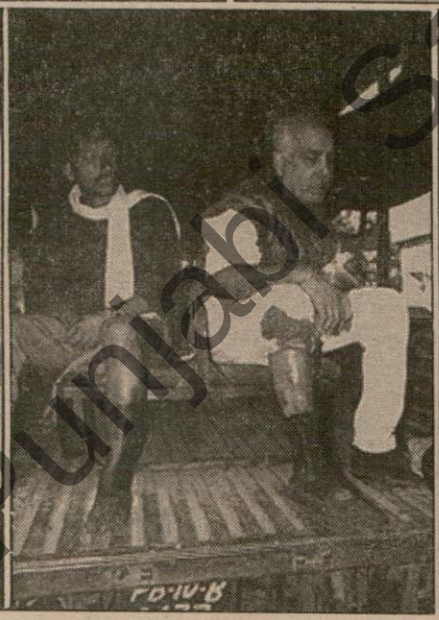

(ऊपर बाएं) लुधियाना के चौक घंटाघर में हुए बम धमाके के बाद घटनास्थल का निरीक्षण करते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरदीप सिंह ढिल्लों तथा (दाएं) धमाके के बाद पुलिस कर्मी वाहनों की चैकिंग करते हुए; (नीचे) विस्फोट में घायल हुए कुछ लोग, जिनका अस्पताल में उपचार चल रहा है।
(छाया : कम्बोज)

लुधियाना की घंटाघर लाटरी मार्कीट में बम फटने से 30 घायल : 7 की हालत गंभीर

लुधियाना, 6 दिसम्बर (मुसाफिर, जोशी, महेंद्रा, धीमान, भाखड़ी, जितेंद्र): आज यहां दोपहर बाद 2 बज कर 20 मिनट पर गुरु तेग बहादुर मार्कीट चौक घंटाघर में जबरदस्त बम धमाका हुआ, जिससे 30 लोग घायल हो गए जिनमें से 12 सी.एम.सी., 11 सिविल अस्पताल में उपचाराधीन हैं। 7 की हालत गंभीर बताई जाती है। इस जगह पर अधिकतर लाटरियों का व्यापार होता है। यह धमाका बैंक आफ इंडिया के नीचे खरैती लाल के स्टाल पर हुआ। उसके साथ एक टी-स्टाल भी है।

धमाके की सूचना मिलते ही डी.आई.जी. शशिकांत, एस.एस.पी. एच.एस. ढिल्लों, एस.पी. सिटी टी.पी.एस. संधु, डी.एस.पी. सिटी गुरजीत सिंह भारी फोर्स के साथ घटनास्थल पर पहुंच गए। घायलों को अस्पतालों में पहुंचाया गया और पुलिस अधिकारी जांच कर रहे हैं। धमाका इतना ज़ोरदार था कि पास ही एक शीशे का स्टाल चकनाचूर हो गया और निकटवर्ती इमारतों की खिड़कियों के शीशे भी टूट गए। पंजाब पुलिस के महानिदेशक (अपराध एवं गुप्तचर) श्री ओ.पी. शर्मा ने बम धमाके के पीछे खालिस्तानी उग्रवादियों का हाथ होने की संभावना से इंकार किया है। उन्होंने कहा कि यह धमाका अयोध्या में विवादित ढांचा गिराए जाने की घटना को तीन वर्ष पूरे होने वाले दिन हुआ है।

उल्लेखनीय है कि उग्रवादियों के खात्मे के बाद लुधियाना शहर में यह पहला ज़ोरदार धमाका हुआ है, जिससे क्षेत्र के लोगों में आतंक फैल गया है।

सिविल अस्पताल में दाखिल लोगों में राजेंद्र कुमार, विनोद कुमार, अमरजीत सिंह, बलदेव कुमार, चंद्रभान, अनिल कुमार, सूबेदार वीरभान सिंह, शशिकांत, उत्तम जीत, खरैती लाल, शमशेर सिंह और जोशी शामिल हैं, जबकि सी.एम.सी. में श्री ओम प्रकाश, सुनील कुमार, खजांची लाल, इंदरजीत सिंह, प्रीतम सिंह, रतन लाल, मुकेश कुमार, अशोक कुमार, जोगी, सुशील कुमार और जनक राज उपचाराधीन हैं। सिविल अस्पताल में चार की, जबकि सी.एम.सी. में 3 की हालत गंभीर बताई जाती है। घायल होने वाले तमाम लोग बम के टुकड़ों से घायल हुए हैं। दोनों अस्पतालों के बाहर घायलों के रिश्तेदारों की भीड़ जमा थी। घायलों में अधिकांश लोग लाटरी बेचने और खरीदने वाले हैं।

आवाज खो बैठा : 'सुनील' के अनुसार घायल जोगी गोरखा बम धमाके में अपनी आवाज खो बैठा। उसने अपना नाम भी लिख कर बताया। जोगी गोरखा व अशोक कुमार को गंभीर हालत में सिविल अस्पताल से सी.एम.सी. में भेज दिया गया।

'भाम्बी, सुनेजा, कम्बोज' के अनुसार इस संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार जब धमाका हुआ तो उस समय वहां पर लाटरी खरीदने वालों की भारी भीड़ थी। जैसे ही धमाका हुआ तो चारों ओर भगदड़ मच गई। काफी देर तक तो किसी को सूझा ही नहीं

(शेष पृष्ठ 12 पर)

Punjabi Sanatani

पंजाब सिविल सर्विसिज़ नियमों में संशोधन

चंडीगढ़, 6 दिसम्बर (वि.प्र.): पंजाब के मुख्यमंत्री श्री हरचरण सिंह बराड़ की अध्यक्षता में आज यहां मंत्रिमंडल की एक बैठक हुई जिसमें पंजाब सिविल सर्विसिज़ (जूडीशियल ब्रांच) नियम 1951 में कुछ संशोधन करने का निर्णय किया गया। इनमें पंजाब सिविल सर्विसिज़ (जूडीशियल ब्रांच) की भर्ती के लिए वकालत का तीन वर्ष का अनुभव आवश्यक किया गया है।

पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट का एक प्रतिनिधि पंजाब लोक सेवा आयोग की ओर से चयन प्रक्रिया से संबद्ध होगा। इस सेवा में भर्ती के लिए कम से कम आयु 24 साल एवं अधिकतम आयु की सीमा 35 वर्ष रखी गई है।

मंत्रिमंडल के एक अन्य निर्णय के अनुसार फैमिली कोर्ट एक्ट 1984 के अधीन शुरू में अमृतसर एवं लुधियाना में फैमिली कोर्ट्स स्थापित करने की मंजूरी दी गई है एवं इन कोर्ट्स की सीमा अमृतसर एवं लुधियाना जिला होंगे।

फैमिली कोर्ट्स एक्ट 1984 शादी एवं पारिवारिक मामलों के झगड़ों को निपटाने के लिए बनाया गया था। इन झगड़ों में रजामंदी नहीं होती तो इस संबंधी मामले का निपटारा जजों की ओर से किया जाएगा एवं वकीलों को फैमिली कोर्टों में पेश होने की कोई आवश्यकता नहीं होगी।

मंत्रिमंडल के एक अन्य निर्णय के अनुसार पंजाब राज्य में अगस्त 1981 से अगस्त 1982 तक आतंकवाद में मारे जाने वाले व्यक्तियों की विधवाओं एवं आश्रितों को राहत देने की मंजूरी दी गई है।

150 उद्योगों को जुर्माना

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (वार्ता): उच्चतम न्यायालय एवं प्रदूषण नियंत्रण के उपकरण लगाने में विफल रहने पर राजधानी के 150 उद्योगों पर दस-दस हजार रुपए का जुर्माना लगाया है।

न्यायालय ने अपने आदेश में इन उद्योगों को दो सप्ताह के भीतर जुर्माना अदा करने और 6 सप्ताह में उपकरण लगाने को कहा है।